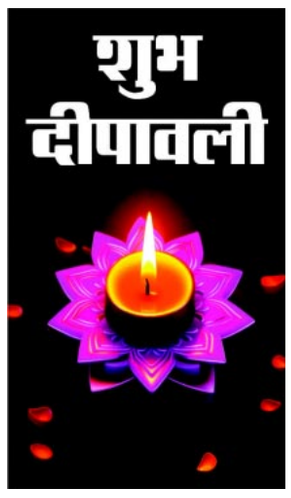

शुभ दीपावली

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 92 | गुवाहाटी | गुरुवार, 31 अक्तूबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

MCJ®
Beauty with Purity

शुभ दीपावली

মাণিক চন্দ্ জুৱেলার্চ
MANIK CHAND®
JEWELLERS
GOLD ◆ DIAMOND ◆ PLATINUM

MANIK CHAND
DIAMOND JEWELLERY

MCJ
MANIK CHAND
GOLD COIN

Festive Offer

MANIK CHAND
GOLD JEWELLERY

GOLD
ORNAMENTS

FLAT 25% OFF
On making charges

FLAT 5% OFF
ON DIAMOND PLATINUM
ORANAMENTS

OFFER VALID FROM 24TH OCT TO 3RD NOV'24

*T&C APPLY

G.S. ROAD, CHRISTIAN BASTI #0361-2343186/9678068944
SHOPPER'S POINT, FANCY BAZAR #0361-2732767/9678068914
K.C. ROAD, FANCY BAZAR #0361-2547454/9678068905
TIMES SQUARE MALL, ZOO ROAD #0361-2203101/9678068936
IMPERIAL MALL, CLUB ROAD, SILCHAR #03842-236002/236002/04
COURTYARD BY MARRIOTT, SHILLONG #9678068930

manikchandjewellers.mcj | 9678068937 | www.manikchandjewellers.com

EXCHANGE YOUR OLD GOLD JEWELLERY WITH NEW JEWELLERY | WE ACCEPT ALL MAJOR DEBIT AND CREDIT CARDS

दिघालीपुखुरी-नूनमाटी फ्लाईओवर

सीएम ने दिया बिना पेड़ काटे विकल्प का आश्वासन

गुवाहाटी (हिंस)। राजधानी के प्रसिद्ध दीघालीपुखुरी के किनारे स्थित काफी पुराने पेड़ों की कटाई के खिलाफ छात्रों के साथ-साथ नागरिक समाज के विरोध के बाद मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर कहा कि सरकार गुवाहाटी में बुनियादी ढांचे के विकास के साथ-साथ विरासत और पर्यावरण की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि दिघालीपुखुरी के किनारे पुराने पेड़ों को काटे बिना दिघालीपुखुरी को नूनमाटी से जोड़ने वाले फ्लाईओवर के निर्माण के लिए वैकल्पिक व्यवस्था पर विचार कर रही है। दीघालीपुखुरी के तट पर स्थित पुराने पेड़ों की कटाई के खिलाफ छात्रों के साथ-साथ नागरिक समाज के विरोध के बाद मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उल्लेखनीय है कि गुवाहाटी में होने वाली ट्रैफिक जाम से निजात दिलाने के लिए दिघलीपुखरी से नूनमाटी तक पांच किमी से अधिक सबसे लंबे ओवरब्रिज का निर्माण कार्य शुरू हुआ है। ओवरब्रिज के निर्माण के कारण दिघलीपुखरी के किनारे स्थित कुछ पेड़ों को काटने के लिए निर्माण कार्य एजेंसी द्वारा निशान लगाया गया है। इसको देखते हुए छात्र संगठन एवं नागरिक समाज पेड़ों को बचाने के लिए पिछले कई दिनों से दिघलीपुखरी के किनारे विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर कहा कि सरकार गुवाहाटी में बुनियादी ढांचे के विकास के साथ-साथ विरासत और पर्यावरण की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने दिघालीपुखुरी के किनारे पुराने पेड़ों को काटे बिना दिघालीपुखुरी को नूनमाटी से जोड़ने वाले फ्लाईओवर के निर्माण के लिए वैकल्पिक व्यवस्था के बारे में सोचने का आश्वासन दिया है। इस बीच, पीडब्ल्यूडी विभाग कुछ दिनों में एक वैकल्पिक प्रणाली के साथ अपनी रणनीति प्रस्तुत करेगा। यह निर्णय पेड़ों की कटाई के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर सामने आया है।

पूर्वी वायु कमान के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ ने जोरहाट वायु सेना स्टेशन का किया दौरा

जोरहाट (हिंस)। पूर्वी वायु कमान के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ एयर मार्शल सूरत सिंह जोरहाट वायु सेना स्टेशन के दो दिवसीय दौरे पर मंगलवार को पहुंचे थे। पहले दिन असम के प्रमुख एयरबेस, वायु सेना स्टेशन जोरहाट का दौरा किया और आज बुधवार को वायु योद्धाओं के साथ दिवाली मनाई। उनका स्वागत वायु सेना स्टेशन जोरहाट के एयर ऑफिसर कमांडिंग एयर कमोडोर आर अरविंद और जोरहाट वायु सेना अस्पताल के एयर कमोडोर सुनील अग्रवाल ने किया। गुवाहाटी डिफेंस पीआरओ की जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि इस दौरान एयर मार्शल सूरत सिंह ने स्टेशन पर चल रहे अन्य संबंधित बुनियादी ढांचे के विकास कार्यों के साथ-साथ बेस की परिचालन, रखरखाव और प्रशासनिक तैयारियों के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने स्टेशन के वायु योद्धाओं के साथ दिवाली उत्सव में भाग लिया। एडवांस लैंडिंग ग्राउंड में तैनात वायु योद्धा भी समारोह में मौजूद थे। तैनात कर्मियों के साथ बातचीत के दौरान, उन्होंने उनकी तैयारियों, उच्च मनोबल और समर्पण की स्थिति पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने उन्हें सभी चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहने के लिए प्रेरित किया। एयर मार्शल ने वायु योद्धाओं के परिवारों को भी अपनी हार्दिक बधाई और आभार व्यक्त किया और उनकी ताकत और समर्थन की सराहना की। समारोह ने दूरदराज के स्थानों पर सेवारत वायु योद्धाओं को अपने कमांडर के साथ बातचीत करने और सौहार्द बढ़ाने के साथ-साथ सभी कर्मियों का मनोबल बढ़ाने का अवसर प्रदान किया।

बीएसएफ फ्रंटियर मुख्यालय में दीपावली मेला का रंगारंग आयोजन

गुवाहाटी (हिंस)। दीपावली उत्सव की पूर्व संध्या पर, प्रकाश, संस्कृति और एकता का त्योहार प्रतीक माने जाने वाला पर्व दीपावली के उपलक्ष्य में बुधवार को गुवाहाटी के पाटगांव स्थित फ्रंटियर मुख्यालय सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) परिसर में दीपावली मेला का भव्य आयोजन किया गया। महानिरीक्षक संजय गौड़ ने दीपावली मेला का विधिवत उद्घाटन किया तथा समस्त सीमा प्रहरियों एवं उनके परिजनो को दीपावली की बधाई एवं शुभकामानाएं दी। मेले में बड़ी संख्या में सीमा सुरक्षा बल एवं प्रथम वाहिनी राष्ट्रीय आपदा मोचन बल के जवानों एवं उनके परिवारों तथा स्थानीय जनता ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विभिन्न प्रकार के भोजन, मिठाइयों, सजावट, पटाखों, रोचक खेल के स्टॉल तथा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति मेले का प्रमुख आकर्षण का केंद्र रही साथ ही आयोजन के दौरान सीमा सुरक्षा बल के जॉज बैंड द्वारा मधुर गीतों की प्रस्तुति ने उपस्थित आगंतुकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

एसआईटीए उपाध्यक्ष ने महिला रोजगार और सशक्तिकरण के लिए चल रही परियोजना की समीक्षा के लिए किया नलबाड़ी का दौरा

गुवाहाटी। राज्य नवाचार और परिवर्तन आयोग (एसआईटीए), असम के माननीय उपाध्यक्ष श्री नारायण चंद्र बोरकाटकी ने 30 अक्तूबर, 2024 को नलबाड़ी, असम का दौरा किया और असम में *आजीविका बढ़ाने के लिए वैज्ञानिक संगठित बकरी पालन को अपनाते हुए रोजगार सशक्तिकरण के लिए एकीकृत दृष्टिकोण* पर चल रही परियोजना की समीक्षा की। इस परियोजना को राज्य नवाचार और परिवर्तन आयोग (एसआईटीए), असम द्वारा वित्त पोषित किया गया था और इसे अनजोरी विकास सोसायटी के सहयोग से असम कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक (वेटी) के तहत बकरी अनुसंधान स्टेशन, बर्नीहाट द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है। परियोजना का उद्देश्य सामाजिक-आर्थिक स्थितियों का उत्थान और ग्रामीण महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण; जागरूकता पैदा करना और महिला कृषक समुदाय का कौशल उन्नयन करना है। बकरियों पर विशेष ध्यान; बकरी पालन को लाभदायक व्यवसाय के रूप में अपनाने के लिए महिला किसानों की क्षमता निर्माण और प्रौद्योगिकी के प्रसार के लिए ग्राम स्तर पर ज्ञान साझाकरण केंद्रों की स्थापना। माननीय उपाध्यक्ष ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह परियोजना न केवल महिलाओं को सशक्त बनाएगी बल्कि यह समाज, राष्ट्र और उसके परिवारों को भी सशक्त बनाएगी। उन्हें उम्मीद है कि यह परियोजना ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण के साथ-साथ सामाजिक-आर्थिक स्थितियों का भी उत्थान करेगी और उन्होंने महिलाओं से इस परियोजना के माध्यम से वैज्ञानिक बकरी पालन के माध्यम से अधिक आत्मनिर्भर बनने का आग्रह किया। कार्यक्रम में बकरियों की स्वदेशी उन्नत नस्लों के पालन में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की आवश्यकता, बकरियों के टीकाकरण की आवश्यकता, उन्नत नस्लों की प्रमाणित असम हिल नस्लों के उत्पादन और वैज्ञानिक तरीकों पर चर्चा की गई। बैठक में नलबाड़ी जिले के लगभग 150 उद्यमी महिलाओं और पुरुषों के साथ-साथ असम कृषि विश्वविद्यालय के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. दीपक भुयान, एसआईटीए एडीओ श्री डीएस हजारी, नलबाड़ी कृषि विज्ञान केंद्र के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. प्रशांत पाठक ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अनाजोरी विकास समिति के अध्यक्ष मतीउर रहमान ने की। बैठक के बाद माननीय उपाध्यक्ष ने अनाजोरी विकास समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के साथ बालितारा गांव में लाभार्थियों के बकरी पालन का दौरा किया तथा गुवाकुची गांव में आदर्श बकरी फार्म का अवलोकन किया।

प्रकाश पर्व दिवाली : अग्निशमन अधिकारी ने किया बाजार का निरीक्षण

कोकराझाड़ (हिंस)। प्रकाश का पर्व दिवाली या दीपावली का उत्साह चारों ओर देखा जा रहा है। दिवाली के त्योहार के दौरान पटाखे और आतिशबाजी से भरे बाजार में आज अग्निशमन अधिकारी ने बाजार निरीक्षण किया। आज कोकराझाड़ के अग्निशमन अधिकारी निरीक्षक अमित बर्मन और अन्य कुछ जवान फकीराग्राम और चिथिला बाजार में उपस्थित होकर पूरी स्थिति का जायजा लिया। दिवाली के दौरान पटाखा बेचने की अनुमति प्राप्त व्यापारियों के साथ उन्होंने चर्चा करते हुए व्यापारिक प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। पटाखों की बिक्री निर्धारित दूरी और सीमा में रखने, अग्निशमन के लिए पानी, रेत आदि की उपलब्धता, बिक्री वाले क्षेत्र में आग जलाने, पटाखे फोड़ने और आतिशबाजी चलाने पर प्रतिबंध का पालन करने के लिए व्यापारियों को जागरूक किया। अग्निशमन अधिकारी बाजार के हर व्यापारिक प्रतिष्ठान में जाकर निरीक्षण किया।

जीतो नॉर्थ-ईस्ट गुवाहाटी चैप्टर का स्थापना समारोह आयोजित

गुवाहाटी। जैन अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संगठन (जीतो) नॉर्थ-ईस्ट गुवाहाटी चैप्टर ने अपना स्थापना समारोह आयोजित किया, जो इस क्षेत्र में उद्यमिता, व्यापार और सामुदायिक सेवा को बढ़ावा देने में एक नए युग की शुरुआत को चिह्नित करता है। सुनील कथोटिया ने नए चैप्टर के अध्यक्ष के रूप में शपथ ली, जबकि प्रतीक लुनावत ने मुख्य सचिव की शपथ ली। समारोह में जीतो एपेक्स के प्रतिष्ठित गणमान्यों ने भाग लिया, जिनमें जीतो एपेक्स के अध्यक्ष विजय भंडारी, जीतो एपेक्स के उपाध्यक्ष कमलेश सोजतिया, जीतो एपेक्स के कोषाध्यक्ष संपत राज चपलोत, जीतो नॉर्थ-ईस्ट गुवाहाटी चैप्टर के अध्यक्ष सुनील कथोटिया, जीतो एपेक्स की महिला विंग की अध्यक्ष श्रीमती शीतल दुग्गड़, एपेक्स युवा विंग के अध्यक्ष रजत हरदी शामिल थे। सभा को संबोधित करते हुए, चैप्टर के अध्यक्ष सुनील कथोटिया ने उद्यमिता को बढ़ावा देने, नेटवर्किंग के अवसरों को बढ़ावा देने के साथ साथ शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और सामाजिक कल्याण जैसे कार्यों का समर्थन करने सहित चैप्टर के उद्देश्यों पर जोर दिया। श्री कथोटिया ने कहा कि हमारा लक्ष्य अपने सदस्यों के लिए एक ऐसा मंच बनाना है, जहां वे आपस में जुड़ सकें, आगे बढ़ सकें और क्षेत्र के विकास में योगदान दे सकें। हमारा ध्यान सार्थक कार्यक्रमों, कार्यशालाओं और पहलों के आयोजन पर होगा, जो व्यवसाय विकास, शिक्षा और सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देते हैं। जीतो एपेक्स के गणमान्य व्यक्तियों ने संगठन के आदर्शों के प्रति उत्तर पूर्व गुवाहाटी अध्याय के उत्साह और प्रतिबद्धता की प्रशंसा की। जीतो एपेक्स के अध्यक्ष ने कहा कि हमें विश्वास है कि सुनील कथोटिया के नेतृत्व में, यह चैप्टर उल्लेखनीय सफलता प्राप्त करेगा और समुदाय में बहुमूल्य योगदान देगा। चैप्टर की योजना विभिन्न कार्यक्रमों की मेजबानी करने की है, जिसमें व्यवसाय सम्मेलन, नेतृत्व विकास कार्यक्रम, औद्योगिक दौरे और सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यक्रम शामिल हैं। जैन अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संगठन (जीतो) एक वैश्विक संगठन है जो जैन और समान विचारधारा वाले व्यक्तियों के बीच उद्यमशीलता, व्यापार और सामुदायिक सेवा को बढ़ावा देता है। दुनिया भर में मौजूद जीतो का उद्देश्य आर्थिक विकास, शिक्षा और सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देना है।

स्कूल में मना दिवाली उत्सव परंपरा और साझेदारी की भावना

गुवाहाटी (हिंस)। दिवाली, जिसे *रोशनी का त्योहार* कहा जाता है, भारत के लोगों के दिलों में एक खास स्थान रखती है। यह अंधकार पर प्रकाश, अज्ञानता पर ज्ञान और बुराई पर अच्छाई की जीत का उत्सव है। छात्रों को इस महत्वपूर्ण त्योहार का महत्व समझाने के लिए कामरूप (ग्रामीण) जिला के आर्यन इंटरनेशनल स्कूल में बुधवार को दिवाली का उत्सव मनाया गया। शिक्षकों और छात्रों ने उत्सव की भावना को अपनाते हुए, दिवाली से जुड़ी समृद्ध परंपराओं का जश्न मनाया। शिक्षकों ने दिवाली के आध्यात्मिक महत्व को समझाकर कार्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने छात्रों को बताया कि दिवाली केवल रोशनी और पटाखों का त्योहार नहीं है; यह आशा, प्रेम और करुणा का प्रतीक है। *दीपावली* का विचार-दीपों की माला-नकारात्मकता को दूर करके जीवन को प्रकाश और सकारात्मकता से भरने का संदेश देता है। इस उत्सव का एक मुख्य आकर्षण दीया सजाने की गतिविधि थी। बच्चों ने उत्साहपूर्वक दिए रंग-बिरंगे रंगों से दीये सजाए और उन पर चमक लगाई, जिससे हर दीया खास बन गया। कई छात्र, जो पारंपरिक कला से गहराई से जुड़े परिवारों से आते हैं, अपने घरों से बनाए हुए दिए लाए। कामरूप (ग्रामीण) जिले में दीया बनाने की कला अभी भी एक प्रिय परंपरा है, जिसे दादा-दादी द्वारा पीढ़ियों से संजोकर रखा गया है। एक मार्मिक क्षण तब आया जब कक्षा 2 के एक छात्र ने बताया कि उसकी दादी ने दिए बनाए थे, और वह उनमें से दो दीये स्कूल लेकर आया था।

बीटीआर में सहकारी समितियों को अन्य क्षेत्रों की समितियों के साथ तालमेल बिठाने की आवश्यकता पर बल दिया गया

बीटीसी के डिप्टी सीईएम ने आत्मनिर्भरता के लिए उद्यमियों को प्रशिक्षण देने का किया आह्वान

विकसित भारत समाचार

कोकराझार। बीटीसी के डिप्टी सीईएम गोबिंद बसुमतारी ने बीटीआर में सहकारी समितियों को अन्य क्षेत्रों की समितियों के साथ तालमेल बिठाने की आवश्यकता पर बल दिया। सोमवार को उदलगुड़ी में बिष्णु राभा क्रिस्टी संघ में आयोजित सम्मेलन और प्रदर्शनी में बोलते हुए उन्होंने बीटीसी सीईएम प्रमोद बोरो के नेतृत्व में समग्र विकास के लिए बीटीआर सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। बसुमतारी ने विभाग से सहकारी समितियों के उद्यमियों को उनकी आत्मनिर्भरता और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान करने का आग्रह किया। उन्होंने सदस्यों को सरकारी सेवाओं का उपयोग करने और युवाओं को सहकारी आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित करने के लिए भी प्रोत्साहित किया। सम्मेलन और प्रदर्शनी का आधिकारिक उद्घाटन उदलगुड़ी के अतिरिक्त जिला आयुक्त कुलदीप हजारिका ने किया। अपने उद्घाटन भाषण में हजारिका ने सहकारिता विभाग द्वारा की गई प्रगति की सराहना की और महत्वपूर्ण विकास को आगे बढ़ाने के लिए सहकारी समितियों की क्षमता पर प्रकाश डाला। सीएचडी सहकारिता जयंत खेरकटारी ने विभाग की विभिन्न योजनाओं, पहलों और उपलब्धियों के बारे में बात की और कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य सहकारी क्षेत्र के भीतर विकास को बढ़ावा देना, समुदायों को सशक्त बनाना और स्थायी प्रथाओं को बढ़ावा देना है। तकनीकी सत्र के दौरान, पद्मश्री पुरस्कार विजेता स्वर्णेश्वर बसुमतारी ने कृषि पर अंतर्दृष्टि साझा की, आर्थिक और पर्यावरणीय दोनों लाभों के लिए एकीकृत खेती के महत्व पर जोर दिया। एसबीआई आरएसईटीआई उदालगुड़ी के निदेशक आशुतोष चकमा ने केंद्र में उपलब्ध प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर चर्चा की और बैंक ऋण प्राप्त करने के लिए एक अच्छा सीआईबीआईएल स्कोर बनाए रखने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने सहकारी समिति के सदस्यों को सहायता के लिए जिला उद्योग केंद्र से संपर्क करने के लिए प्रोत्साहित किया। केवीके के विषय विशेषज्ञ प्रदीप राजबोंगशी ने पशुपालन के वैज्ञानिक तरीकों और व्यवसाय नियोजन के महत्व पर विस्तार से चर्चा की तथा पशुओं के पोषण के लिए मक्का और नेपियर घास जैसे चारा उत्पादन के लाभों पर प्रकाश डाला। भेरगांव एग्रो ऑर्गेनिक प्रोड्यूसर कोऑपरेटिव लिमिटेड के अध्यक्ष कमलेश्वर बोरो ने जैविक खेती, विशेष रूप से मोरिंगा की खेती पर चर्चा की, इसके स्वास्थ्य और वित्तीय लाभों और मिट्टी के स्वास्थ्य पर इसके सकारात्मक प्रभाव पर जोर दिया। दिन भर चले कार्यक्रम के दौरान चार सहकारी समितियों पनेरी एसएस लिमिटेड, डाकुआ एसएस लिमिटेड, बारसीलाझार एसएस लिमिटेड और उदालगुड़ी एसएस लिमिटेड के बीच प्रिंटर-सह-फोटोकॉपी मशीनें वितरित की गईं। इसके अतिरिक्त, बीटीसी संयुक्त सचिव पामी ब्रह्मा ने मत्स्य सहकारी समितियों को वितरण के लिए डीआरसीएस उदालगुड़ी राजदीप नाथ को मोती की खेती के लिए 1, 000 मसल्स सौंपे। आठ प्रदर्शनी स्टालों पर सहकारी समितियों के उत्पादों का प्रदर्शन किया गया, जिनमें जैविक और हर्बल उत्पाद, हस्तशिल्प, हथकरघा वस्तुएं और खाद्य उत्पाद शामिल थे।

राज्यपाल ने काली पूजा और दीपावली की दी शुभकामनाएं

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने काली पूजा और दीपावली के पावन अवसर पर असम के लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। अपने संदेश में राज्यपाल ने देवी काली की पूजा और दिवाली के उत्सव के आध्यात्मिक महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि दीपावली बुराई पर धर्म की जीत का प्रतीक है। उन्होंने मां काली के दिव्य आशीर्वाद का आह्वान करते हुए पूरे राज्य में खुशी और समृद्धि की कामना की। राज्यपाल ने आगे कहा कि दीपावली, रोशनी का त्योहार, अंधकार को दूर करके खुशी और समृद्धि का संदेश देता है। यह पवित्र अवसर हमारी एकता और भाईचारे के बंधन को मजबूत करे। राज्यपाल ने उत्सव के दौरान पर्यावरण के प्रति जागरूकता का भी आह्वान किया और लोगों को हरित दिवाली के लिए सामूहिक रूप से योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया।

प्रमोद बोरो ने बीटीआर में सामुदायिक विकास के लिए योजनाओं के समय पर क्रियान्वयन का आग्रह किया

विकसित भारत समाचार

कोकराझाड़। बीटीसी सचिवालय में आज दोपहर आयोजित समीक्षा बैठक में, मुख्य आर्थिक सलाहकार प्रमोद बोरो ने विकास योजनाओं के समय पर क्रियान्वयन की महत्वपूर्ण आवश्यकता पर जोर दिया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि समुदाय बिना देरी के अपने लाभों का लाभ उठा सकें। उन्होंने विभाग प्रमुखों से जवाबदेही और पारदर्शिता को सुव्यवस्थित करने के लिए आवश्यक दस्तावेजी साक्ष्य के साथ पूर्ण परियोजनाओं के लिए उपयोगिता प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने का आह्वान किया। बोरो ने कहा कि यह जरूरी है कि हम इन योजनाओं को प्रभावी ढंग से और समय पर लागू करें ताकि हमारे लोग जल्द से जल्द अपने जीवन में सुधार का अनुभव कर सकें। हमारा लक्ष्य एक प्रगतिशील और आधुनिक बीटीआर है, जहां हर व्यक्ति को बुनियादी सुविधाओं तक पहुंच हो और वह सद्भाव से रहे। बैठक के दौरान, उन्होंने विभाग प्रमुखों से बीटीआर के समग्र विकास को बढ़ावा देने वाली पहलों पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। उन्होंने इन योजनाओं के कार्यान्वयन में प्रगति का आकलन करने और चुनौतियों की पहचान करने के लिए नियमित क्षेत्र के दौरे के महत्व पर जोर दिया। बोरो ने कहा कि जागरूकता पैदा करना महत्वपूर्ण है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि हमारे प्रयासों का लाभ जमीनी स्तर तक पहुंचे, जहां इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है। बीटीसी के प्रधान सचिव आकाश दीप ने सीईएम बोरो के संदेश को पुष्ट करते हुए विभागीय प्रमुखों को निर्देश दिया कि वे कल्याणकारी पहलों के सुचारू क्रियान्वयन को सुविधाजनक बनाने के लिए कार्यान्वयन दिशा-निर्देशों और धन जारी करने की समयसीमा का सख्ती से पालन करें। समीक्षा बैठक में बीटीसी सचिवों और विकास विभागों के सभी प्रमुखों ने भाग लिया, जिन्होंने सामूहिक रूप से क्षेत्र भर में योजनाओं के प्रभाव को बढ़ाने के लिए रणनीतियों पर चर्चा की।

जंगली हाथियों के उपद्रव से किसान परेशान

बिश्वनाथ (हिंस)। बिश्वनाथ जिले के सतिया इलाके के दक्षिण में स्थित गांवों में जंगली हाथी प्रवेश कर जमकर उपद्रव मचा रहे हैं। जिसकी वजह से किसान काफी परेशान हैं। स्थानीय किसानों ने बताया कि सतिया के नीजगडपाल, माजुली आटी इलाके में जंगली हाथियों का झुंड शाम ढलते ही खेतों में घुसकर फसलों को काफी नुकसान पहुंचा रहे हैं। धान की फसल हाथी द्वारा खाए जाने से किसान काफी परेशान हैं। स्थानीय किसानों ने कहा कि जंगली हाथी के उपद्रव से बचने के लिए बार-बार वन विभाग को सूचित किए जाने के बावजूद वन विभाग द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है। वन विभाग की अनदेखी की वजह से आए दिन धान की फसल खाने के लिए जंगली हाथियों का झुंड गांव में प्रवेश कर रहा है।

बिहाली विस क्षेत्र में कार्बी समुदाय का भी एक वोट विरोधियों को नहीं मिलती है : तुलीराम रंघांग

विश्वनाथ (विभास)। बिहाली निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा उम्मीदवार दिगंत घटवाल को लगभग 9, 000 कार्बी वोट मिलेंगे। इसका एक भी वोट कांग्रेस दल या विरोधी दल को नहीं मिले, इसके लिए कल बिहाली के असम -अरुणाचल सीमावर्ती के कार्बी जनगोष्ठी इलाके में कार्बी आंग्लांग स्वायत्त परिषद के मुख्य कार्यवाही सदस्य तुलीराम रंघांग ने व्यापार प्रचार अभियान शुरू की। बिहाली विधानसभा उपचुनाव में कल असम-अरुणाचल सीमावर्ती के कार्बी जनगोष्ठी क्षेत्र में कार्यकारी सदस्य ने बिहाली निर्वाचन क्षेत्र के तिनसुति नाहरबाड़ी और बरझरनी क्षेत्रों में कई सार्वजनिक बैठकों में भाग लिया और कार्बी भाषा में भाषण दिए। कार्यपालक पदाधिकारी ने बिहाली निर्वाचन क्षेत्र में रहने वाले लगभग 9, 000 कार्बी लोगों को कार्बी लोगों के लिए भाजपा सरकार द्वारा किए गए विभिन्न विकास कार्यों के बारे में जानकारी दी। कार्यकारिणी सदस्य ने पत्रकारों से कहा कि बिहाली विधानसभा क्षेत्र में कार्बी समुदाय का एक भी वोट विपक्ष और कांग्रेस को नहीं मिलेगा।

No.TMB-136/6th ASFC/2023-24/178 *Dated 28th October, 2024*

SHORT NOTICE FOR INVITING TENDER

The Chairman, Tangla Municipal Board invites sealed tender in the prescribe format in affixing court fee stamp of Rs. 10.00 (Rupees Ten) only, from the registered contractors of Tangla Municipal Board. The Tender will be received by the undersigned at office up to 2.00 PM on 18th November 2024 and will be opened in the same date and place on 18th November, 2024. And OS will be submitted to the concern authority of BTC (CHD, UDD) for approval. The bidders have to be deposited earnest money @ 2% of Estimated value (1% for ST, SC, MOBC and un-employed graduate Engineers) in the form of NSC/ Call deposit/ STDR, etc. pledge in the name of Chairman Tangla Municipal Board.

Details of NIT may be seen in all working days during office hours and the Tender paper will be issued to the contractor or authorized agent from 1st of November, 2024 to 17th November 2024 in the Office of the undersigned during Office hours. The Contractor should be submitted their self-attested copy of Registration certificate for the year 2024-2025 and latest copy of clearance certificate of Income Tax, GST, Labour License etc. along with Tender documents In case of Office remains closed on that day the tender will be received in the next working day.

Sl. No.	Name of work	Tender value in rupees	Eligible class of Contractor	Earnest money	Cost of Bid	Time of Completion
1	Protection work at river Bank of Nonai river at the Emersion Ghat at Ward No. 3, Tangla (Phase-1)/Under 6th ASFC)	7,50,000.00	Registered cont. of TMB, Tangla	1% on estimated cost for SC/ST/MOBC and 2% for others	1000.00	60 days
2	Construction of Boundary wall at the Land Fill site at Ward No. 1, Tangla Town (Ch.149Mtr.) (under 15th FC/Tied Grant)	12,79,027	Registered cont. of TMB, Tangla	1% on estimated cost for SC/ST/MOBC and 2% for others	1000.00	60 days.

Sd/-
Chairman,
Tangla Municipal Board, Tangla

IPR(BTC)/C/2024-25/812

पूर्वांचल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

पेज-3

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 92 | गुवाहाटी | गुरुवार, 31 अक्तूबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

सत्त, रज व तम के समन्वयक है दीपक पेज 4 | गैंगस्टर लारेंस बिश्नोई को बनाया अखिल भारतीय जीव रक्षा बिश्नोई सभा... पेज 5 | रोहन बोपन्ना-मैथ्यू एबडेन ने पुरुष युगल एटीपी फाइनल्स 2024 के... पेज 7 | दीपावली मनाने भारी संख्या में ऋषिकेश पहुंचे सैलानी पेज 8

सुप्रभात

अपने से अधिक शक्तिशाली और समान बल वाले से शत्रुता न करें।

- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

राष्ट्रपति ने देशवासियों को दी दीपावली की बधाई

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को दिवाली की पूर्व संध्या पर नागरिकों को शुभकामनाएं दीं और कहा कि यह त्योहार वंचितों और जरूरतमंदों की मदद करने और उनके साथ खुशियां बांटने का भी अवसर है। उन्होंने कहा कि दिवाली के -शेष पृष्ठ पांच पर

सीएम ने दीं काली पूजा और दीपावली की शुभकामनाएं

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने लोगों को प्रकाश के त्योहार दीपावली और काली पूजा के अवसर पर शुभकामनाएं दीं हैं। आज जारी एक संदेश में मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने लोगों को काली पूजा और दिवाली के शुभ अवसर पर शुभकामनाएं -शेष पृष्ठ पांच पर

असम में आतंकवाद विरोधी अभियान

अल्फा (स्वा.) के ओवरग्राउंड वर्कर्स एवं लिंकमैन गिरफ्तार

शिलांग। असम में कई दिनों तक चलाए गए एक बड़े उग्रवाद विरोधी अभियान में, असम पुलिस ने कोलकाता की सैन्य खुफिया एजेंसी के साथ समन्वय करके, अल्फा (स्वा.) से जुड़े 10 ओवर ग्राउंड वर्कर्स (ओजीडब्ल्यू) और लिंकमैन को गिरफ्तार किया है। यह ऑपरेशन ऊपरी असम में यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (इंडीपेन्डेंट) या अल्फा (स्वा.) उग्रवादियों की मौजूदगी की विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आधार पर 26 से 30 अक्तूबर तक चलाया गया। पुलिस महानिरीक्षक (एनईआर) के नेतृत्व में चलाए गए इस अभियान में चराइदेउ, शिवसागर, डिब्रूगढ़ और तिनसुकिया जिलों में उग्रवादी नेटवर्क को निशाना बनाया गया, जिसके परिणामस्वरूप अल्फा (स्वा.) कमांडरों से जुड़े सात ओजीडब्ल्यू और लिंकमैन गिरफ्तार किए गए। गिरफ्तार व्यक्तियों में तिनसुकिया के जगुन से सोनू सोनार और किरण शर्मा, तिनसुकिया जिले से बाबुल दिहिंगिया, नगालैंड के मोन जिले से तोंगलोंग कोन्याक, शिवसागर जिले से अशोक अली, अजीत चांगमाई और बोइलन बरुआ शामिल हैं। इससे पहले 25 अक्तूबर 2024 को अलग-अलग इलाकों से तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया था। चराइदेउ जिले के नमटोला इलाके में मिलिट्री इंटेलिजेंस, असम पुलिस और 23 असम राइफल्स/मुख्यालय 73 माउंटेन ब्रिगेड ने प्रेम नेवार नामक एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया, जो अल्फा (स्वा.) कमांडर गणेश लाहोन से कथित तौर पर जुड़ा हुआ एक प्रमुख लिंकमैन था। इसके साथ ही, डिब्रूगढ़ जिले के चबुआ में दूसरी छापेमारी की गई, जिसके परिणामस्वरूप दो अल्फा (स्वा.) के गुर्गों- उज्जल गोहाईं (उर्फ सॉक्रेटीस), स्वर्गीय हेम चंद्र गोहाईं का बेटा और शशांक राजखोवा, केशब राजखोवा का बेटा पकड़ा गया। दोनों की पहचान विद्रोही समूह के प्रमुख ओजीडब्ल्यू के रूप में की गई थी। इन गिरफ्तारियों के साथ पिछले एक सप्ताह में इस अभियान के तहत हिरासत में लिए गए कुल दस व्यक्तियों की संख्या भी शामिल हो गई है। सुरक्षा बलों ने इन व्यक्तियों की पहचान अल्फा (स्वा.) कमांडरों स्वयंभू मेजर जनरल -शेष पृष्ठ पांच पर

सेवा प्रकल्प के लिए युवा पीढ़ी को करें तैयार : भागवत

ग्वालियर/भोपाल (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ग्वालियर के छह दिवसीय प्रवास के दूसरे दिन बुधवार को आरोग्यधाम अस्पताल पहुंचे। आरोग्यधाम में उन्होंने ओपीडी से लेकर ओटी का अवलोकन किया। इसके बाद यहां डॉक्टरों व पदाधिकारियों के साथ बैठक की। डॉ. भागवत ने बैठक में कहा कि आरोग्यधाम जैसे सेवा प्रकल्पों के लिए युवा व नई पीढ़ी को तैयार करना चाहिए जिससे किसी जरूरतमंद को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें। आरोग्यधाम के बाद संघ प्रमुख रामकृष्ण आश्रम पहुंचे। यहां भी उन्होंने आश्रम का अवलोकन कर सभी पदाधिकारियों से बातचीत की और यहां के कार्य के बारे में जानकारी प्राप्त की। ग्वालियर में 31 अक्तूबर से 04 नवंबर तक संघ के विविध क्षेत्रों में कार्यरत संगठनों के अखिल भारतीय स्तर के प्रचारकों का प्रशिक्षण वर्ग आयोजित हो रहा है। इसमें शामिल होने के लिए डॉ. भागवत मंगलवार को ग्वालियर पहुंचे। यहां केदारपुर स्थित -शेष पृष्ठ पांच पर

सुंदरगढ़ में दो गुटों के बीच झड़प, तीन महिला समेत पांच की मौत

भुवनेश्वर। ओडिशा के सुंदरगढ़ में घुमंतू गुटों के बीच झड़प में तीन महिलाएं समेत पांच लोगों की मौत हो गई। इस झड़प में चार अन्य घायल भी हुए हैं। यह घटना मंगलवार देर रात करमाडीही गांव में घटी। दरअसल, झड़प एक व्यक्ति के एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर को लेकर शुरू हुई थी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्रतिद्वंद्वीसमूह ने पांच लोगों की हत्या कर दी। पश्चिमी रेंज की डीआइजी ब्रिजेश रे ने कहा कि चारों -शेष पृष्ठ पांच पर

धुबड़ी के सांसद रकीबुल हुसैन की गुमशुदगी के लगे पोस्टर

धुबड़ी (हि.स.)। धुबड़ी लोकसभा के सांसद रकीबुल हुसैन के लापता होने के पोस्टर जिला शहर धुबड़ी में लगाए गए हैं। पोस्टर को बीती रात धुबड़ी शहर में दीवारों पर चस्पा देखा गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि धुबड़ी जिले की टिपकई नदी में एक बड़ा नौका दुर्घटना में एक नाबालिग बच्चे की मौत और 10 लोग गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद धुबड़ी से सांसद रकीबुल हुसैन नगांव में अपने बेटे के लिए चुनाव प्रचार में व्यस्त हैं। काली पूजा की पूर्व संध्या पर धुबड़ी -शेष पृष्ठ पांच पर

बैकफुट पर कांग्रेस, महाराष्ट्र में नहीं होगी फ्रेंडली फाइट

मुंबई। महाराष्ट्र के दंगल में पर्चा दाखिल को लेकर उद्धव गुट की नाराजगी से कांग्रेस बैकफुट पर है। कांग्रेस ने कहा है कि भले ही कुछ सीटों पर पार्टी के उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल कर दिया हो, लेकिन चुनाव उन्हीं लोगों को लड़ाया जाएगा, जिन्हें पार्टी हरी झंडी देगी। मुंबई में पत्रकारों से बात करते हुए कांग्रेस प्रभारी रमेश चेन्निथल्ला और कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि कुछ सीटों पर उम्मीदवार अपना नामांकन वापस लेंगे। पत्रकारों से बात करते हुए चेन्निथल्ला ने कहा कि महाविकास अघाड़ी में कोई फ्रेंडली -शेष पृष्ठ पांच पर

झारखंड में घुसपैठ रोकने के लिए भाजपा की सरकार बनाएं : हिमंत

चतरा (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री सह भाजपा के झारखंड प्रदेश सह प्रभारी हिमंत विश्व शर्मा बुधवार को सिमरिया पहुंचे। यहां भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। विधानसभा चुनाव की तैयारी की समीक्षा के लिए वे सिमरिया पहुंचे थे। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की और चुनावी रणनीति पर चर्चा की। शर्मा ने कहा कि देश के गृह मंत्री अमित शाह का सिमरिया में विधानसभा चुनाव को लेकर चुनावी कार्यक्रम है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ गृह मंत्री के कार्यक्रम की रूपरेखा पर चर्चा की और संबंधित लोगों को कई जिम्मेवारी सौंपी। उन्होंने कहा कि -शेष पृष्ठ पांच पर

25 लाख दीयों से जगमग हुई अयोध्या, बना नया रिकॉर्ड

अयोध्या। भव्य दीपोत्सव के जहत अयोध्या आज पूरी तरह से जगमग है। दीपोत्सव समारोह के तहत अयोध्या में सरयू नदी के तट पर 25 लाख दीये जलाए गए। इसके साथ ही लेजर और लाइट शो देखने को मिला है। साउंड-लाइट शो के ज़रिए रामलीला का वर्णन किया गया। वहीं, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने अयोध्या में सरयू नदी के तट पर *आरती* की। योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर में पूजा की, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक भी मौजूद रहे। योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर के परिसर में दीये जलाए। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सनातन -शेष पृष्ठ पांच पर

सुलझे भारत-चीन के रिश्ते, विवादित जगह से हटीं सेनाएं

बीजिंग। भारतीय सेना के सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी साझा की और बाद में पत्रकारों को संबोधित करते हुए भारत में चीनी राजदूत जू फेहोंग ने कहा कि दोनों देशों ने आपसी सहमति से मुद्दे को सुलझाया है। उन्होंने कहा कि हम आपसी सहमति के बिंदु पर पहुंच गए हैं। पड़ोसी होने के नाते, हमारे बीच कुछ मुद्दे होंगे, लेकिन राष्ट्रपति शी जिनपिंग और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी (पिछले सप्ताह रूस में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान) के बीच बैठक के बाद दोनों देश संबंधों को मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं। हम जल्द ही भारत और चीन के बीच सीधी उड़ानें फिर से शुरू करेंगे। वहीं सेना सूत्रों ने पूर्वी लद्दाख में टकराव वाले दो बिंदुओं पर सैनिकों की वापसी पर कहा कि स्थानीय कमांडर स्तर पर वार्ता जारी रहेगी। फिलहाल पूर्वी लद्दाख में टकराव वाले दो बिंदुओं पर सैनिकों की वापसी पूरी हो गई है। इसके बाद पूर्वी लद्दाख के डेमचोक, देपसांग में जल्द ही गश्त शुरू होगी। भारत और चीन के बीच हुए महत्वपूर्ण समझौते के बाद, दोनों देशों ने पूर्वी लद्दाख के देमचोक और देपसांग में टकराव वाले स्थानों से सैनिकों को पीछे हटाना शुरू किया था। भारत और चीन के बीच हुए इस अहम समझौते के बाद दोनों देशों ने दो अक्तूबर को पूर्वी लद्दाख के देपसांग और -शेष पृष्ठ पांच पर

संपादकीय

रुको, सोचो, टांग दो

साइबर अपराधियों और जालसाजों का खौफ इतना बढ़ चुका है कि प्रधानमंत्री मोदी को भी 'मन की बात' में इसका जिक्र करना पड़ा। प्रधानमंत्री को देश की चिंताओं के साथ अपने सरोकार साझा करने पड़े। उन्होंने आह्वान किया कि ऐसी घटनाओं से डरना नहीं है, क्योंकि यह सब कुछ फर्जीवाड़ा है। प्रधानमंत्री ने एक मूल मंत्र का सुझाव भी दिया है कि जब भी कोई ऐसी कॉल आए और आपको 'डिजिटल अरेस्ट' करने की कोशिश की जाए, तो आपको यह करना चाहिए-'रुको, सोचो और फिर एक्शन लो।' किसी भी प्रधानमंत्री ने पहली बार देश को स्पष्ट किया है कि सीबीआई, ईडी, कस्टम, पुलिस आदि सरकारी एजेंसियां फोन पर गिरफ्तारी की धमकियां नहीं देती हैं और न ही यह उनकी कार्यप्रणाली है। यदि कोई अपराध हुआ है, तो उसकी जांच करने और दंड देने की कार्यप्रणालियां तय हैं। दरअसल देश का आम आदमी इन सरकारी एजेंसियों की प्रक्रिया नहीं जानता और उनसे खौफ खाता है, लिहाजा उनकी आड़ में जालसाज लूट रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने देश को आश्वस्त भी किया है कि सरकार साइबर अपराध, जालसाजी के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने जा रही है। एजेंसियों ने अपने काम आरंभ भी कर दिए हैं। बहरहाल प्रधानमंत्री के इस सरोकार का अपना ही महत्व है, क्योंकि यह जालसाजी और डिजिटल अरेस्ट किसी महामारी की तरह फैल रही है। साइबर अपराधियों ने किसी उद्योगपति से 7 करोड़ रुपए लूट लिए, तो एक सेवानिवृत्त यूनिवर्सिटी प्रोफेसर को 75 लाख रुपए किसी अनाम बैंक खाते में ट्रांसफर करने को विवश कर दिया। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली में किसी से 19 लाख रुपए लूट लिए और जालसाज ने खुद को 'मुंबई फाइनेंशियल टास्क फोर्स' का सदस्य बताया। साइबर अपराधियों ने हर रोज अखबार बेचने वाले को भी नहीं बख्शा और उसके खाते से 1 लाख रुपए झटक लिए। दरअसल यह जालसाजी और लूटने की आधुनिकतम प्रौद्योगिकी है। ये अपराधी पढ़े-लिखे इंजीनियर नहीं, बल्कि बेहद औसत किस्म के होते हैं, लेकिन वे 'साइबर अपराध' के पक्के खिलाड़ी हैं। हरेक जालसाजी में एक पुलिसवाला होता है, जिसकी वर्दी नकली होती है। उसके अलावा, सीबीआई, ईडी, कस्टम, नारकोटिक्स, कभी-कभार रिजर्व बैंक आदि का प्रतिनिधि भी बताते हैं। नकली सर्वोच्च अदालत भी दिखा दी जाती है और फर्जी वारंट भी पेश कर दिया जाता है। वीडियो कॉल पर बात करते हुए अपराधी बार-बार कहते हैं कि पास में कोई तीसरा आदमी नहीं होना चाहिए। कभी-कभार पुलिसिया रौब भी दिखाते हैं। जालसाज इतना मनोवैज्ञानिक दबाव डालते हैं कि डिजिटल अरेस्ट वाला व्यक्ति, अंततः, पैसा ट्रांसफर करने को विवश हो जाता है। ये अपराधी अपने नकारात्मक हुनर में इतने सिद्धहस्त होते हैं कि किसी के बेटा, बेटी या अन्य परिजन की आवाज 'क्लोन' करके भी सुना देते हैं। आप उस आवाज को ही 'असली' मान कर समझौता करने को तैयार हो जाते हैं। प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' में इस फर्जीवाड़े को पूरी तरह साझा किया है। 'नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल' पर 1 जनवरी से 30 अप्रैल, 2024 के बीच 7.4 लाख शिकायतें दर्ज कराई जा चुकी हैं। 'इंडियन साइबर क्राइम कॉऑरडिनेशन सेंटर' के मुताबिक, जालसाजियों की कई किस्में हैं-डिजिटल अरेस्ट, ट्रेडिंग स्कैम, निवेश घोटाला, रोमांस, डेटिंग स्कैम आदि। इसी साल जनवरी से अप्रैल के बीच भारतीयों ने डिजिटल फ्रॉड में 120.3 करोड़ रुपए गंवाए हैं, जबकि ट्रेडिंग घपले में 1420.48 करोड़, निवेश घोटाले में 222.58 करोड़ और रोमांस, डेटिंग स्कैम में 13.23 करोड़ रुपए खोए हैं। रपटों के मुताबिक, कई जालसाज, अपराधी म्यांमार, लाओस, कंबोडिया आदि देशों में हो सकते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक की सालाना रपट में उल्लेख है कि 2023-24 में कार्ड और इंटरनेट संबंधी फ्रॉड केस हुए हैं। सवाल यह है कि सरकार इन अपराधों से आम आदमी को कैसे मुक्ति दिला सकती है? भारत में साइबर अपराध बढ़ रहे हैं, लेकिन उसकी विशेषज्ञ पुलिस हमारे पास नहीं है। जो सामान्य पुलिस है, उसे ही बदल-बदल कर साइबर का काम सौंप लिया जाता है। उन्हें जालसाजों की तरह महारत हासिल नहीं है और न ही वे बदलती प्रौद्योगिकी के जानकार हैं। औसतन 3-4 लाख लोगों पर एक पुलिसवाला है।

प्रधानमंत्री को देश की चिंताओं के साथ अपने सरोकार साझा करने पड़े। उन्होंने आह्वान किया कि ऐसी घटनाओं से डरना नहीं है, क्योंकि यह सब कुछ फर्जीवाड़ा है। प्रधानमंत्री ने एक मूल मंत्र का सुझाव भी दिया है कि जब भी कोई ऐसी कॉल आए और आपको 'डिजिटल अरेस्ट' करने की कोशिश की जाए, तो आपको यह करना चाहिए-'रुको, सोचो और फिर एक्शन लो।' किसी भी प्रधानमंत्री ने पहली बार देश को स्पष्ट किया है कि सीबीआई, ईडी, कस्टम, पुलिस आदि सरकारी एजेंसियां फोन पर गिरफ्तारी की धमकियां नहीं देती हैं और न ही यह उनकी कार्यप्रणाली है। यदि कोई अपराध हुआ है, तो उसकी जांच करने और दंड देने की कार्यप्रणालियां तय हैं।

दीपावली रौशनी का त्योहार है,जो हमारे जीवन में रौशनी लाता है

सत्त, रज व तम के समन्वयक हैं दीपक

सुनील कुमार महला

दीपावली का पावन त्योहार बहुत ही हर्ष,खुशी, उमंग व उल्लास के साथ मनाते हैं। त्योहार कोई भी हो, हंसी-खुशी, समृद्धि, सकारात्मकता, पवित्रता व असीम ऊर्जा का प्रतीक होता है। आज भी दीपावली मनाई जाती है, पहले भी मनाई जाती थी लेकिन समय का रंग हमारे सभी त्योहारों पर ऐसा चढ़ गया है कि अब हर त्योहार आधुनिकता, शहरीकरण,दिखावे, बनावटीपन व पाश्चात्य संस्कृति के रंग में रंगते चले जा रहे हैं, और दीपावली का त्योहार भी इन सबसे अछूता नहीं रहा है।

हर वर्ष हम कार्तिक मास की अमावस्या तिथि को दीपावली का पावन त्योहार बहुत ही हर्ष,खुशी, उमंग व उल्लास के साथ मनाते हैं। त्योहार कोई भी हो, हंसी-खुशी, समृद्धि, सकारात्मकता, पवित्रता व असीम ऊर्जा का प्रतीक होता है। आज भी दीपावली मनाई जाती है, पहले भी मनाई जाती थी लेकिन समय का रंग हमारे सभी त्योहारों पर ऐसा चढ़ गया है कि अब हर त्योहार आधुनिकता, शहरीकरण,दिखावे, बनावटीपन व पाश्चात्य संस्कृति के रंग में रंगते चले जा रहे हैं, और दीपावली का त्योहार भी इन सबसे अछूता नहीं रहा है। दीपावली (संस्कृतः दीपावलिः = दीप + आवलिः = पंक्ति, का अर्थ ही पंक्ति में रखे हुए दीपकों से होता है, लेकिन अब दीपावली पर मिट्टी के दीपक कम, चाइनीज़ लाइटें, लड़ियां, रंग-बिरंगे बल्ब, एलईडी लाइटें अधिक जलतीं नजर आतीं हैं। दीपावली रौशनी का त्योहार है,जो हमारे जीवन में रौशनी लाता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि दिवाली के त्योहार का धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व है। प्रकाश का यह पर्व हम सभी को सीख देता है कि केवल बाहरी चकाचौंध ही नहीं, अपने मन के भीतर भी प्रकाश उत्पन्न करना जरूरी है। रौशनी के इस पवित्र त्योहार पर पंच तत्वों के प्रतीक मिट्टी के दीपक आज जलते तो हैं लेकिन धीरे-धीरे इनकी संख्या में लगातार कमी देखी जा रही है। जो बात मिट्टी के दीपकों में है वह चाइनीज़ लाइटों, झालरों व बल्बों में कहां है ? हमारी भारतीय सनातन संस्कृति और हमारे शास्त्रों में मिट्टी के दीपक को तेज, शौर्य और पराक्रम का प्रतीक माना गया है। जब भगवान श्रीराम चौदह साल के वनवास के बाद अयोध्या लौटे थे, तब अध्योध्यावासियों ने मिट्टी के दीये(घी के दीपक) जलाकर उनका स्वागत व अभिनंदन किया था। वास्तव में, दिवाली पर मिट्टी के दीपक जलाने के पीछे धार्मिक महत्व भी है। मिट्टी के दीपक न केवल हमारे पर्यावरण व प्रकृति का ध्यान रखते हैं, अपितु यह हमारी सादगी,संपन्नता, सुख-समृद्धि , शांति व ऐश्वर्य के भी प्रतीक हैं। यह बात तो हम सभी जानते हैं कि इस संपूर्ण ब्रह्मांड की रचना पंचतत्वों से हुई है, जिसमें जल, वायु, आकाश, अग्नि और भूमि शामिल हैं। वास्तव में,मिट्टी का दीपक भी इन पांच तत्वों का प्रतिनिधित्व करता है। मिट्टी का दीपक वर्तमान का प्रतीक माना गया है, जबकि उसमें जलने वाली

प्रज्ज्वलित 'लौ' भूतकाल का प्रतीक होती है। जब हम रुई की बाती डालकर दीप प्रज्जवलित करते हैं तो वह आकाश, स्वर्ग और भविष्यकाल का प्रतिनिधित्व करती है। मिट्टी मंगल ग्रह का प्रतीक है और मंगल साहस और पराक्रम का। तेल शनि भगवान का प्रतीक है। वहीं पर मिट्टी के दीपक में घी समृद्धि व शुक्र का प्रतीक माना जाता है।आज दीपावली इलैक्ट्रिक लाइटों का त्योहार हो गई है। सच तो यह है कि आधुनिकता, शहरीकरण की चकाचौंध में हमारे प्राचीन रीति-रिवाज आज बहुत पीछे छूट रहे हैं। हिंदू धर्म में मिट्टी के दीपकों का बहुत महत्व है। पूजा-अर्चना से लेकर जन्म-मरण के विधि-विधानों में मिट्टी के दीपक जलाने की परंपरा हमारे देश में रही है। दीपक में ईश्वर का वास माना जाता है, इनमें देवी-देवताओं का तेज होता है, सकारात्मक ऊर्जा होती है। ऋग्वेद काल से लेकर हर युग व काल में दीपकों का महत्व किसी से छुपा नहीं हुआ है। हमारे वेदों, उपनिषदों में गाय के घी से दीपक जलाने के अनेक वर्णन मिलते हैं। वर्णन मिलता है कि द्वापर युग में कृष्ण के नरकासुर राक्षस वध के बाद वहां के वासियों ने दीपक जलाकर जीत की खुशी को प्रकट किया था। वास्तव में दीपक आत्मा के परमात्मा से मिलन का मार्ग खोलता है। मिट्टी का दीपक वास्तु दोष को समाप्त करने की अद्भुत क्षमता रखता है। आज घरों, दुकानों, प्रतिष्ठानों में रंग-बिरंगी लाइटें, झालरें भले ही जगमगाती हों लेकिन मिट्टी के दीपकों की आभा और नूर कुछ अलग ही दमकता व झलकता है। मिट्टी के दीपक जब जलते हैं तो वे हमें किसी दिव्यलोक का सा अहसास कराते हैं। मिट्टी के दीपक दुःख, आलस्य, निर्धनता को दूर करके जीवन में सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य, खुशी, स्फूर्ति, आनंद, ऐश्वर्य लाते हैं। आज मिट्टी के दीपकों से भले ही महंगाई के कारण, आधुनिकता व पाश्चात्य सभ्यता-संस्कृति के प्रभाव के कारण, मिट्टी के दीपकों में तेल-बाती डालने के झंझटों के कारण भले ही मोह भंग हो गया हो, लेकिन मिट्टी के दीये के मुकाबले इलैक्ट्रोनिक लाइटें, झालरें, लड़ियों के प्रकाश की आभा कहीं भी नहीं ठहरती है। मिट्टी के दीपक जहां कीट-पतंगों का नाश करते हैं और हमारे पर्यावरण को शुद्ध बनाते हैं वहीं इलैक्ट्रोनिक लाइटें यह सब संभव नहीं कर पातीं हैं। आज कृत्रिम लाइटें, झालरें, लड़ियां कुम्हारों के रोजगार पर भी आफ़त बनकर टूट रही है। चाइनीज़ लाइटों, झालरों, लड़ियों के उपयोग से हम अपने देश की अर्थव्यवस्था पर भी कहीं न कहीं प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से प्रभाव डाल रहे होते हैं। पर्यावरण संरक्षण तो दूर की बात इसलिए रह जाती है क्योंकि दिवाली पर होने वाले पटाखों के प्रदूषण को हम मिट्टी के दीपक जलाकर रोकते नहीं है। हमारा संपूर्ण ध्यान आधुनिक चकाचौंध पर होता है। हमें यह याद रखना चाहिए कि मिट्टी का एक छोटा सा दीया गहरे अंधकार में भी उजास की लौ जलाकर रखता है। मिट्टी से मानवजाति का जन्म-जन्मांतर का रिश्ता है और हम इस रिश्ते को लगातार भूल रहे हैं। मिट्टी हमारे पर्यावरण, हमारे परिवेश का अहम और महत्वपूर्ण हिस्सा है।भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीला हो या माता पार्वती के जन्म की कहानी, मिट्टी का हर युग में वर्णन मिलता है। भारतीय संस्कृति में दीपों का इतिहास अति प्राचीन है। विशेषज्ञों व इतिहासकारों के मत के अनुसार शुरूआत में दीपक पत्थर को तराशकर बनाए गए होंगे, लेकिन धीरे-धीरे सभ्यता के विकास के साथ मिट्टी के दीपक बने। जानकारी मिलती है कि दीयाबत्ती या मोमबत्ती का आविष्कार भी 5 हजार साल से पहले हो गया था और इसके लिए वनस्पति तेल या जानवरों की चर्बी का इस्तेमाल होता था। ऐसी जानकारी मिलती है कि घरों में रौशनी के लिए मशालों, दीपकों और लालटेनों का विकास प्राचीन भारत, चीन और मिस्र की सभ्यताओं में हो गया था।पुरातत्त्विदों को सिंधु घाटी सभ्यता से आगे हर सभ्यताओं व विभिन्न राजवंशो के खुदाई में विभिन्न प्रकार के दीये प्राप्त हुए हैं।

दृष्टि कोण

कश्मीर युद्ध के गुमनाम नायक शेर जंग थापा

बाईस अक्तूबर 1947 को पाक सेना ने हजारों कबायली लड़ाकों के साथ जम्मू-कश्मीर रियासत पर हमला कर दिया था। जम्मू-कश्मीर के शासक 'हरि सिंह' के लिए परिस्थितियां गंभीर हो चुकी थीं। 26 अक्तूबर 1947 को जम्मू-कश्मीर रियासत का भारत में इलहाक हुआ तो रियासत की स्टेट फोर्सेज भितरघात का शिकार हो गई। गिलगित व बलोचिस्तान की सुरक्षा में तैनात जम्मू-कश्मीर राज्य की फोर्स 'गिलगित स्काउट' तथा सैंकड़ों मुस्लिम सैनिक विद्रोह करके पाक सेना से जा मिले थे। गिलगित स्काउट के कमांडर मेजर 'विलियम ए ब्राउन' ने गिलगित के गवर्नर ब्रिगेडियर 'घनसारा सिंह' को कैद करके एक नवंबर 1947 को अपने मुख्यालय पर पाकिस्तान का परचम फहरा दिया था। गिलगित एजेंसी की सीमा पर 'बुंजी' में तैनात 'जम्मू कश्मीर इन्फैंट्री' की 'छठी' बटालियन के कर्नल 'अब्दुल मजीद खान' को भी कैद कर लिया गया था। उसी बटालियन के कैप्टन 'मिर्जा हसन खान' ने सैंकड़ों मुस्लिम सैनिकों के साथ मिलकर बगावत को अंजाम देकर बुंजी के निकट 'जंगलोट' में तैनात अपनी ही सिख कंपनी पर हमला करके कई सिखों को हलाक कर दिया तथा पाक सेना से जा मिले थे। उसी छठी जम्मू कश्मीर इन्फैंट्री में सेवारत हिमाचल के 'शेर जंग थापा' उस समय अपनी एक कंपनी के साथ लद्दाख सेक्टर में तैनात थे। शेर जंग थापा को कर्नल पद पर पदोन्नत करके स्कर्दू में अपनी बटालियन की कमान संभालने का आदेश मिला। लद्दाख से स्कर्दू तक का सफर पैदल तय करके शेर जंग तीन दिसंबर 1947 को स्कर्दू पहुंचे। शेर जंग ने कैप्टन कृष्ण सिंह के नेतृत्व में सिख सैनिकों को 'त्सारी' तथा कैप्टन 'गंगा सिंह' के नेतृत्व में एक सैन्य दस्ता 'कारगिल' में तैनात किया। मात्र साठ सैनिकों के साथ शेर जंग ने स्कर्दू में मोर्चा संभाला। दस फरवरी 1948 को कैप्टन प्रभात सिंह दो कंपनियों के साथ शेर जंग की सहायता के लिए स्कर्दू पहुंचे, मगर शेर जंग की बटालियन के कैप्टन 'नेक आलम' ने अपने मुस्लिम सैनिकों के साथ पाक फौज से मिलकर दस फरवरी 1948 को स्कर्दू के त्सारी में तैनात सिख कंपनी पर हमला करके कैप्टन कृष्ण सिंह सहित लगभग पूरी कंपनी को हलाक करके पाक सेना में शामिल हो गया। 12 फरवरी 1948 को पाक फौज ने स्कर्दू किले की घेराबंदी करके हमले शुरू कर दिए। शेर जंग के नेतृत्व में सैनिक पाक फौज के हमलों को नाकाम करते रहे, लेकिन पाक फौज की उस बड़े पैमाने की घेराबंदी के बाद शेर जंग को सैन्य सहायता नसीब नहीं हुई थी। जम्मू-कश्मीर राज्य बलों से बगावत करके पाक सेना से जा मिले कर्नल बुरहानुद्दीन, मोहम्मद खान व बाबर खान गिलगित स्काउट की कमान संभाल कर स्कर्दू किले को घेर चुके थे। शेर जंग की बटालियन के भगोड़े कर्नल ' एहसान अली' की कयादत में 'आईबेक्स फोर्स' तथा चित्राल रियासत के 'चित्राल स्काउट व चित्राल बाडीगार्ड' के साथ सैंकड़ों कबाइली व पश्तून लड़ाकों को कर्नल मताउल मुल्क की कमान में पाक सिपाहसालारों ने स्कूर्द किले की घेराबंदी में तैनात किया था। मिर्जा हसन खान को बुंजी सेक्टर का गर्वनर तथा कर्नल 'असलम खान' 'पाशा' को गिलगित स्काउट का कमांडर नियुक्त कर दिया था। शेर जंग की मदद के लिए ब्रिगेडियर 'फकीर सिंह' तथा कर्नल संपूर्ण बचन सिंह की कमान में दो बड़े सैन्य दल श्रीनगर से सैंकड़ों मीलों का पैदल सफर तय करके स्कर्दू के लिए जरूर निकले थे। मगर उसी गिलगित स्काउट के सैनिकों ने उन सैन्य दस्तों पर घात लगाकर हमले किए जिसमें बड़ी संख्या में सैनिक शहीद हुए। नतीजतन कोई भी सैन्य दल स्कर्दू तक नहीं पहुंच सका। दरअसल जम्मू से श्रीनगर, जोजिला, कारगिल, द्रास से स्कर्दू तक का सैंकड़ों मीलों का पैदल सफर, भीषण ठंड, बेहद दुर्गम क्षेत्र हमारे सैनिकों के लिए चुनौती बन चुका था। पाक सेना सभी रास्तों पर किलेबंदी कर चुकी थी। जम्मू कश्मीर रियासत के सैंकड़ों मुस्लिम सैनिक पाक सेना का हिस्सा बनकर कश्मीर के स्कर्दू व लद्दाख के महाज पर लड़ रहे थे। स्कर्दू के बचाव के लिए जितनी सेना व हथियारों की जरूरत थी, उतनी तादाद में सैनिक व असलाह शेर जंग तक नहीं पहुंचा। 17 जून 1948 को पाक फौज ने शेर जंग को आत्मसमर्पण का पैगाम भेजा जिसे शेर जंग ने ठुकरा दिया था। 12 अगस्त 1948 को पाक फौज ने स्कर्दू किले पर जोरदार हमला किया। शेर जंग के सैनिकों ने पलटवार करके कई पाक सैनिकों को हलाक करके वो हमला नाकाम किया, मगर स्कर्दू किले में गोला बारूद व खाद्य आपूर्ति समाप्त हो चुकी थी। आखिर भारतीय सेना के श्रीनगर डिवीजन के कमांडर के अनुरोध पर कर्नल शेर जंग थापा ने स्कर्दू किले को छोडऩे का फैसला लिया।

कुछ अलग

मध्यमवर्गीय व्यथा अनंता

कामलीला मैदान समस्त मैदानों में सबसे खास है। वहां पर वर्ग इंतकाम यज्ञ चल रहा था। एक दिन सोमेश मुनि वहां पधारे। तब वहां पर एकत्रित समस्त पाक शास्त्रियों ने उनसे अनुरोध किया कि वे उन्हें लोकतंत्र के वर्ग महापुराण की कथा व्यथा सुनाएं। उनके अनुरोध पर पहले उन्होंने उच्च वर्ग की कथाएं विस्तार से सुनाईं और फिर निम्न वर्ग की। अंत में उन्होंने सबसे महत्वपूर्ण मध्यमवर्गीय जीव की कथा सुनाते कहा, 'हे मस्तशास्त्रीगण! तीनों वर्गों में यह वर्ग सबसे महत्वपूर्ण है। ये जो मध्यमवर्ग है, यह वर्ग अनंत, इसकी कथा व्यथा अनंता। इस वर्ग के माहात्मय का वैसे तो कोई वर्णन नहीं कर सकता। मध्यमवर्ग अनंत असफल इच्छाएं-आकांक्षाएं धारण करने वाला वर्ग है। इसके मुख पर पल में प्रसन्नता के तो पल में दुःख के भाव आते-जाते रहते हैं। इस वर्ग के कदम-कदम पर विघ्नों का वास रहता है। इस वर्ग का जीव बहुत भावुक टाइप का जीव होता है। यह दिखावे को ही हुंकार भरता है। इसके पास डरपोक भावनाओं के सिवाय और कुछ नहीं होता। भावनाएं ही इसकी पूंजी होती हैं। इसका शोषण करने की कुंजी होती है। इस वर्ग का जीव अपने मरने को लेकर उतना भावुक नहीं होता जितना वह दूसरों के जीने को लेकर भावुक होता है। यह खुद जीते-जीते मरो और दूसरों के जीने दो के सिद्धांत का मौन समर्थक होता है। इस वर्ग का जीव शर्म से बहुत डरता है। इसीलिए भगवान का नाम लेते हुए कदम कदम पर ईमानदारी की बात करता है। इसे हुज्जत नहीं, इज्जत प्यारी होती है। इसे लगता है जो इसकी इज्जत की पतलून उतर गई तो वह निम्न मध्यमवर्ग में जा गिरेगा। वह गिरना नहीं, उठना चाहता है। इसी चक्कर में वह लूटना नहीं लुटना चाहता है। इस वर्ग का जीव रिश्तों को लेकर बहुत भावुक होता है। इसे लगता है कि जो उसने जो रिश्ते न निभाए तो इस दुनिया से रिश्तों पर से विश्वास उठ जाएगा। रिश्तेदार उस पर थूकेंगे। रिश्तेदार उस पर मूतेंगे। इसलिए यह रिश्ते बचाते बचाते मर जाता है। मरने के बाद भी रिश्ते निभाते निभाते रिश्तेदारों से जूते खाता है। जिसकी किस्मत में मरने के बाद भी जूते खाना लिखा हो, उसे आप मजे से आंखें बंद किए मध्यमवर्ग श्रेणी के जीव में रख सकते हैं। इसके जीते जी तो जीते जी, इसके मरने के बाद भी आपके मन में जो आए उसे पूरे उत्साह से बक सकते हैं। यह किसी के बके का बुरा नहीं मानता। क्योंकि मरने से पहले और मरने के बाद जूते खाना इस वर्ग के जीव की नियति होती है। परिवार को उच्च वर्ग में लाने की कोशिश में मरते मरते मरने के बाद पैसे बचाने के चक्कर में बिन गाय के ही यह वैतरणी पार कर जाता है। फिर मरने के बाद भी मर चुके रिश्ते निभाता है। रिश्तों के बचे कर्ज चुकाता है। यमलोक के किसी भी बैंक से जैसे तैसे फिर लोन लेकर। मृत्युलोक के बैंकों का डिफाल्टर रहा हो तो रहा हो। मरने के बाद भी बैंक का डिफाल्टर होना इस वर्ग के हेड जीव का सौभाग्य है। जिस मध्यमवर्गीय परिवार का हेड जीव लिया लोन चुका मरता है, वह नरक को जाता है। जो मध्यवर्गीय हेड दसियों बैंकों का डिफाल्टर होकर मरता है, स्वर्ग में उसकी जय जयकार होती है। इस वर्ग का जीव उतना अपने को लेकर भावुक नहीं होता जितना वह तीज त्योहारों वारों को लेकर भावुक होता है। इसे लगता है कि जो यह तीज त्योहार नहीं मनाएगा तो तीज त्योहारों को अस्तित्व ही खत्म हो जाएगा। इसलिए यह हर तीज त्योहार को अपनी जेब को ताक पर रख उसे पूरे उल्लास से डरते मरते पूरे अधूरे उल्लास, उखड़ी सांस से मनाता है। हर त्योहार को मनाने के बाद रात को त्योहार को मनाने के लिए लोन को हटाने के बारे में सोचता सोचता नींद न आने पर भी सो जाता है। जब भी कोई त्योहार आता है तो बीवी और विज्ञापन इसके दिमाग की धडक़नें और बढ़ा देते हैं। तब इसका बीपी बढ़. जाता है। पर इसकी विवशता! न तो वह बीवी को छोड़ सकता है, न विज्ञापनों को।

देश दुनीया से

भ्रष्टाचार-महंगाई रोकने के उपाय

भ्रष्टाचार और महंगाई दो ऐसे सुरसा के खुले मुंह जैसे रोग हैं जो देश में बढ़ते ही जा रहे हैं और हर सरकार यह घोषणा करती है कि भ्रष्टाचार मुक्त शासन देगी और महंगाई नियंत्रित करेगी, पर जिस देश में आधे से ज्यादा सांसद, विधायक दागी हों, अरबपति हों और नोट देकर वोट खरीदते हों, वहां भ्रष्टाचार समाप्त करने की बात दिवास्वप्न जैसी ही लगती है। सबसे पहला भ्रष्टाचार तो वहां शुरू हो जाता है जहां चुनाव लडऩे वाले जो विवरण चुनावी खर्च का देते हैं, उसे 99 प्रतिशत प्रत्याशियों का चुनाव आयोग स्वीकार कर लेता है। कौन नहीं जानता कि धन बल, बाहुबल और शराब की नदियां बहाकर अधिकतर चुनावी संग्राम जीते जाते हैं। जीतने वाले और हारने वाले दोनों इन्हीं शस्त्रों का सहारा लेते हैं, पर पूरे देश में न महंगाई नियंत्रण में हुई और न भ्रष्टाचार। यह ठीक है कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भ्रष्टाचार नियंत्रण करने की बात कही थी और उन्होंने अपने समय में विधायक समेत कई प्रमुख लोगों को जेल में भिजवाया। आईएएस, आईपीएस तक के अधिकारी पकड़े गए और अभी कुछ दिन पूर्व ही पंजाब के मुक्तसर के एडीसी भी सलाखों के पीछे पहुंच गए। मेरा यह मानना है कि जो भी नेता या अधिकारी अनुचित अवैध साधनों से कमाया धन घर लाता है, उसके परिवार को, बच्चों को, पत्नी को उसकी पूरी जानकारी होती है, क्योंकि उसी धन के बल पर वे आकाश पर उड़ते हैं और देश-दुनिया घूमते हैं। वैसे यह हर दिन का समाचार है कि पुलिस के कनिष्ठ, वरिष्ठ बहुत से कर्मचारी पकड़े गए। नागरिक प्रशासन के लोग भी पकड़े गए और सत्ता पक्ष के कुछ कार्यकर्ता भी जो रिश्वत मांगते या बिचौलिये का काम करते थे, पकड़ लिए। यह भ्रष्टाचार को नकेल डालने का एक स्वस्थ प्रयास है। वैसे रिश्वत लेने वाले कुछ ज्यादा ही हिम्मत रखते हैं। यह देखने के बाद भी कि रिश्वत लेने वाले पकड़े गए, अपमानित हुए, जेलों में भेजे गए और उनके रिटायरमेंट के सारे लाभ खत्म हो रहे हैं, फिर भी वे हिम्मत करके रिश्वत ले ही लेते हैं, लेकिन यह मानना पड़ेगा कि जब तक नैतिक मूल्यों की समाज में ज्यादा मान्यता नहीं होती, दंड से ही भ्रष्टाचार रोकना होगा। लड़ाई अभी बहुत लंबी है, पर इसके लिए एक काम तो करना ही पड़ेगा, वह है परिवार का रिश्वत के पैसे को नकार देना। मैं यह विश्वास रखती हूं कि अगर परिवार की महिलाएं, माता, पत्नी, बेटियां अपने पति-पिता-पुत्र को यह सख्ती से समझा दें कि घर में मेहनत की कमाई आएगी, रिश्वत की नहीं, तब बहुत अंतर पड़ सकता है, पर अब तो महिला अधिकारी भी रिश्वत लेने में संकोच नहीं करतीं। इसलिए यह परिवार के किशोर और युवा बच्चों को निर्णय लेना होगा कि उन्हें पिता की रिश्वत की कमाई से सुख सुविधाएं चाहिए या पिता का सम्मान और मेहनत की रोटी चाहिए। जिस दिन बच्चे पिता द्वारा आमदनी से अधिक लाया धन, उपहार और अन्य सुविधाएं पूरी तरह से नकार देंगे तब एक बहुत बड़ा परिवर्तन समाज में देखने को मिलेगा, ऐसा मेरा विश्वास है। वैसे महिलाएं भी बहुत कुछ बदल सकती हैं। मैंने बार-बार यह लिखा है व समाज को यह संदेश देने का प्रयास किया है कि अगर देश की महिलाएं और परिवार के बच्चे यह तय कर लें कि वे सीमित साधनों में ही अपना गुजर बसर कर लेंगे तो रिश्वत लेने-देने की बीमारी काफी कम हो जाएगी। मेरा यह भी मानना है कि अगर विवाह शादियों पर भारी खर्च और अमीरी का प्रदर्शन बंद हो जाए तब भी कुछ ऐसे अधिकारी और कर्मचारी भ्रष्टाचार से दूर रहेंगे जो यह तर्क देते हैं कि बच्चों की शादी के कारण उन्हें अनुचित साधनों से धन कमाना पड़ता है। राजस्थान के इतिहास में महारानी महामाया का बहुत सुंदर उदाहरण मिलता है। जब उसने यह तय कर लिया कि युद्ध में पीठ दिखा कर आए पति को किले में प्रवेश नहीं करने देगी और पति को यह आदेश सुना दिया कि उसका स्वागत होगा, पर जब वह विजयी अथवा रण क्षेत्र में शहीद होकर आएगा। इसका पूरा असर हुआ और पूरी शक्ति से शत्रुओं से जूझते हुए महाराजा जसवंत सिंह विजयी होकर वापस आए। इसी प्रकार अगर आज की महिलाएं, परिवारों के बच्चे यह संकल्प कर लें कि पिता, पति अथवा पुत्र द्वारा अनुचित साधनों से कमाया, घर लाया धन स्वीकार नहीं करेंगे तो अधिकतर लोग रिश्वत के मोह से बचेंगे और अपने देश को दीमक की तरह खा रही यह भ्रष्टाचार की बीमारी नियंत्रण में आ जाएगी। वैसे भी होना यह चाहिए कि जो अधिकारी या कर्मचारी, महिला या पुरुष कोई भी हो, अनैतिक साधनों से धन कमा कर लाता है, अगर उसका परिवार इस धन संपत्ति को स्वीकार कर ले तो उसे भी अपराधी घोषित किया जाना चाहिए। कुछ वर्ष पहले ही दिल्ली की एक अदालत ने रिश्वत लेने वाले अधिकारी की पत्नी को रिश्वत लेने के आरोप में दंडित किया था। भारतीय दंड संहिता की धारा 379, 380, जो अब बदल गई, के अंतर्गत चोरी का अपराध करने वाले को सजा होती है, पर साथ ही जो व्यक्ति जानते हुए भी कि वह जो वस्तु या धन संपत्ति स्वीकार कर रहा है चोरी का माल है, उसे भी भारतीय दंड संहिता की धारा 411 (पुरानी) के अंतर्गत गिरफ्तार करके सजा दिलवाई जाती है। अब इसका सीधा अर्थ यह है कि जो परिवार पति या परिवार के मुखिया द्वारा रिश्वत के रूप में लाई हुई धन संपत्ति को स्वीकार करता है उसे भी सलाखों के पीछे होना ही चाहिए। अगर इस धारा का सख्ती से पालन किया जाए तो बहुत से परिजन अपने परिवार के मुखिया को भ्रष्ट साधनों से धन कमाने से रोक लेंगे। एक पटवारी या एक डॉक्टर या एक वरिष्ठ अधिकारी पकड़ में आ गया तो यह नहीं समझ लेना चाहिए कि रिश्वतखोरों पर नकेल कसी गई। जब तक इस देश के चुनाव लडऩे वाले नेताओं के परोक्ष धन स्रोतों का पता लगा कर सब कुछ पकड़ा नहीं जाएगा, तब तक प्रशासनिक क्षेत्र से भी रिश्वत बंद नहीं हो सकती। जब तक ट्रांसफर करवाने और मनचाहे पदों पर नियुक्ति पाने के लिए इस देश और समाज में चांदी के पहियों का सहारा लिया जाएगा, तब तक कुछ वरिष्ठ अथवा कनिष्ठ अधिकारियों को रिश्वत लेते गिरफ्तार करके पीठ थपथपाने वाली सरकारी मशीनरी कभी भी इस बुराई को दूर नहीं कर सकती।

भ्रष्टाचार मुक्त शासन देगी और महंगाई नियंत्रित करेगी, पर जिस देश में आधे से ज्यादा सांसद, विधायक दागी हों, अरबपति हों और नोट देकर वोट खरीदते हों, वहां भ्रष्टाचार समाप्त करने की बात दिवास्वप्न जैसी ही लगती है। सबसे पहला भ्रष्टाचार तो वहां शुरू हो जाता है जहां चुनाव लडऩे वाले जो विवरण चुनावी खर्च का देते हैं, उसे 99 प्रतिशत प्रत्याशियों का चुनाव आयोग स्वीकार कर लेता है।

आप का नजरीया

त्योहार के साथ लौटता हिमाचल

हिमाचल को देखने और मिलने आती दिवाली के पहियों पर, पथ परिवहन निगम की भूमिका के दीये भी जलते हैं साल जब-जब मनाता है त्योहार। इस बार विशेष गाडियों की रफ्तार सौ से शुरू होकर 155 सरकारी बसों तक पहुंच गई। त्योहार की पलकों पर हिमाचल की लौटती आशाएं पहाड़ पर समृद्धि की चांदनी लेकर भी आती हैं। यह चांदनी दूर किसी मंजिल पर जिंदगी को फतह करने के मंसूबों से रूबरू है, तो कदमताल करते प्रदेश के रास्तों को संभावना के अक्स पर खड़ा कर देती है। इस दौरान अगर सरकारी बसों में दस हजार लोग लौट रहे हैं, तो निजी वाहनों, वोल्वो व अन्य प्रदेशों की बसों से हजारों युवा अपने रोजगार के सेतु से घर-परिवार तक कुशलक्षेम पूछने पहुंच जाते हैं। रोजगार होना और रोजगार के योग्य होने में अंतर है। लौटते बीबीएन से युवा भी अपनी कहानी सुना देते हैं, लेकिन जिन मुहानों को छूकर बाहरी प्रदेशों से आते हैं, वहां प्रवासी होने के मायने दिखाई देते हैं। दिवाली मोटे तौर पर हजारों लोगों की वापसी नहीं, बल्कि जिंदगी से हासिल लम्हों के साथ लौटना है। अब यह हिमाचल रोजाना भी दौड़ता है और जब से फोरलेन निर्माण के साथ मंजिलें और गंतव्य नजदीक आ रहे हैं, रफ्तार का आलम राज्य में भी तस्वीर बदल रहा है। ऐसे में हमें रोजगार के हब खड़े करने हैं। विडंबना यह है कि औद्योगिक क्रांति ने प्रदेश के सीमांत इलाकों में आर्थिकी की पदचाप तो सुनी, लेकिन ये क्षेत्र रोजगार के सही मायने में डेस्टिनेशन नहीं बने। क्यों हिमाचली युवा प्रदेश की सीमा लांघते ही क्षमतावान हो जाता है। उसके चेहरे पर आत्मविश्वास और करियर की संभावना का विस्तार हो जाता है। बेशक हिमाचल के औद्योगिक क्षेत्रों में नौकरियां बढ़ रही हैं, लेकिन रोजगार की सीढियां वहीं की वहीं हैं। वहां रोजगार का चेहरा दिहाड़ी सरीखा और भविष्य का एक कमजोर पक्ष है, जबकि देश की खाक छानकर युवा जो प्रोफेशन अपना रहे हैं, वहां का माहौल बीबीएन में स्थापित नहीं हो सका। रोज शाम ढलते बीबीएन की पोशाक में वह रुतबा नहीं, जो चंडीगढ़, दिल्ली, नोएडा, हैदराबाद, पुणे, मुंबई या ऐसे अनेक शहरों की अमानत में है। बीबीएन से एक पूरा राज्य अन्य प्रदेशों को लौटता और पूरे हिमाचल से लौटते हैं हर दिन सैंकड़ों प्रवासी। यहां की गाडियों के पहिए उन्हें उठाकर लाते हैं ताकि चिमनियों के धुएं में इनसान का परिश्रम उनके नाम हो जाए। हिमाचल का रोजगार हिमाचल के काम आए, इसके लिए भूमि और भूमिका में बदलाव चाहिए। जिस जमीन पर उद्योग या व्यापार खड़ा हो रहा है, वहां का रोजगार हिमाचली युवाओं के लिए सुनिश्चित हो, इसके लिए सोच, समझ और रास्ते बदलने पडेंग़े। लौटते हिमाचल की रगों में सफलता का ऐसा नशा, यहां रहते हुए भी तो पैदा हो सकता है, बशर्ते रोजगार के सृजन में प्रदेश की क्षमता के अवसर मिलें। हिमाचल प्रदेश में निजी विश्वविद्यालयों, कालेजों व विभिन्न संस्थानों ने सूचना प्रौद्योगिकी के पाठ्यक्रम को बेहद बांट दिया, लेकिन डिग्री कंगाल हो गई।

गैंगस्टर लारेंस बिश्नोई को बनाया अखिल भारतीय जीव रक्षा बिश्नोई सभा के युवा मोर्चा विंग का राष्ट्रीय अध्यक्ष

चंडीगढ़ (हिंस)। हत्या, लूटपाट, डकैती व फिरौती मांगने के आरोपों के तहत जेल में बंद गैंगस्टर लारेंस बिश्नोई को अखिल भारतीय जीव रक्षा बिश्नोई सभा के युवा मोर्चा विंग का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया है। लॉरेंस के खिलाफ एनआईए समेत कई एजेंसियां अलग-अलग केसों की जांच कर रही हैं। इसके बावजूद बिश्नोई सभा ने लॉरेंस को अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया है। पंजाब के अबोहर में हुई बैठक के दौरान यह फैसला पिछले सप्ताह लिया गया है, जिसका पत्र अब वायरल हो रहा है। बिश्नोई मंदिर में हुई बैठक में इस संबंध में फैसला लेने के बाद लारेंस बिश्नोई के नाम नियुक्ति पत्र जारी किया गया है। लॉरेंस इस वक्त गुजरात की साबरमती जेल में बंद है। पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला समेत एनसीपी नेता और पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी के मर्डर में उसका नाम है। इस संबंध में अखिल भारतीय जीव रक्षा बिश्नोई सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रमेश बिश्नोई ने कहा कि लॉरेंस हमारे नौजवानों को नशे से दूर करने का काम कर रहा है। साथ ही हमारे समाज में वन्य जीवों का अपना ही एक बड़ा महत्व है। ऐसे में लॉरेंस वन्य जीवों की रक्षा के लिए भी लोगों को प्रेरित कर रहा है। सभा की तरफ से जारी पत्र में लिखा गया है कि लॉरेंस बिश्नोई पुत्र रविंद्र निवासी गांव दुतरांवाली (अबोहर, जिला फाजिल्का, पंजाब) को अखिल भारतीय जीव रक्षा बिश्नोई सभा रजिस्टर्ड के युवा मोर्चा विंग का राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोनीत किया जाता है। आपका यह दायित्व जीव रक्षा एवं पर्यावरण के क्षेत्र में

नियुक्ति का सर्टिफिकेट

प्रमाणित किया जाता है कि श्री लॉरेंस बिश्नोई पुत्र श्री रविंद्र जी वासी गांव दुतरांवाली तहसील अबोहर जिला फाजिल्का पंजाब को अखिल भारतीय जीव रक्षा बिश्नोई सभा रजिस्टर्ड नंबर 211/1977 को युवा मोर्चा विंग का राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोनीत किया जाता है।

आपका यह दायित्व जीव रक्षा एवं पर्यावरण के क्षेत्र में परोपकार के कार्यों को आगे बढ़ाना एवं माता अमृता देवी बिश्नोई जिनके साथ 363 बिश्नोई नर नारियों ने सन 1730 में खेजड़ी के पेड़ों को काटने से बचाने के लिए अपने प्राण निछावर कर दिए थे। ऐसी विश्व में कोई घटना देखने को नहीं मिलती जीव दया पालनी के सिद्धांत और गुरु जंभेश्वर भगवान के बताए हुए नियमों के मद्देनजर आपकी नियुक्ति की जा रही है।

आपसे अपेक्षा की जाती है कि आप इस कार्य को जिम्मेदारी एवं पूर्ण निष्ठा से अपने दायित्व को निर्वहन करेंगे।

राष्ट्रीय अध्यक्ष
अखिल भारतीय जीव रक्षा
बिश्नोई सभा (रजि.)

इंद्रपाल बिश्नोई,
राष्ट्रिय अध्यक्ष अखिल भारतीय जीव रक्षा,
बिश्नोई सभा,
रजिस्टर्ड नंबर- 211/1970
हेड ऑफिस -बिश्नोई मोदेर, अबोहर।

परोपकार के कार्यों को आगे बढ़ाना और माता अमृता देवी बिश्नोई, जिनके साथ 363 बिश्नोई नर नारियों ने सन 1730 में खेजड़ी के पेड़ों को काटने से बचाने के लिए अपने प्राण निछावर कर दिए थे, के कार्यों को आगे बढ़ाने का कार्य करना है। खेजड़ी के पेड़ों को काटने से बचाने जैसी घटना विश्व में देखने को नहीं मिलती। उन्होंने कहा कि जीव दया पालनी के सिद्धांत और गुरु जंभेश्वर भगवान के बताए हुए नियमों के मद्देनजर आपकी नियुक्ति की जा रही है। आपसे अपेक्षा की जाती है कि आप इस कार्य को जिम्मेदारी एवं पूर्ण निष्ठा से अपने दायित्व को निर्वहन करेंगे। लारेंस बिश्नोई की नियुक्ति के बाद सभा के कई पदाधिकारी जांच एजेंसियों के निशाने पर आ गए हैं।

राजस्थान में गोमाता को राज्य माता का दर्जा देने पर होगा विचार : बेढ़म

जयपुर (हिंस)। राजस्थान के गोपालन एवं गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने कहा है कि गो माता को राज्य माता का दर्जा देने के बारे में सकारात्मक रूप से आगे बढ़ा जाएगा। बेढ़म ने पिंजरापोल गौशाला में स्थित श्री काल भैरव भगवान की पूजा अर्चना एवं आरती की और प्रदेश की खुशहाली की प्रार्थना की। इस अवसर उन्होंने गाय को राज्य माता का दर्जा दिए जाने के बारे में कहा कि गाय को राज्य माता का दर्जा देने के लिए विभिन्न संगठनों के माध्यम से ज्ञापन मिला है और इस संबंध में सकारात्मक रूप से आगे बढ़ा जाएगा। गोपाष्टमी पर्व को राजकीय पर्व के रूप में मनाये जाने को लेकर कहा कि गोपाष्टमी पर्व सरकारी स्तर पर मनाई जानी चाहिए और जैसा कि बताया जा रहा है कि गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने इस संबंध में आश्वासन दिया है तो हमारा गोपालन विभाग इसके लिए व्यवस्था करेगा। गाय पर राजनीति करने के कांग्रेस के आरोप पर श बेढ़म ने कहा कि उनके पास कहने को कुछ है नही, वे लोग कभी कहते है गाय के नाम राजनीति, कभी कहते है मंदिर एवं सनातन के नाम राजनीति होती हैं। कांग्रेस और विपक्ष के ये लोग सनातन संस्कृति के घोर विरोधी है और जो इसके घोर विरोधी है वे भारतीय संस्कृति के भी घोर विराधी हैं। उन्होंने कहा कि हमारी पुरानी संस्कृति और विरासत

का संरक्षण करते हुए इस देश को विश्व गुरु बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृतव में लोग चल पड़े है और राजस्थान में पिछले दस महीने में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार सभी के लिए काम कर रही है और हम स्वर्णिम राजस्थान बनाएंगे। इस अवसर पर अखिल भारतीय गोशाला सहयोग परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष अतुल गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प प्रतिरुप महाराष्ट्र में गोमाता को राज्य माता दर्जा दिया गया है और अब केंद्र सरकार गाय को राष्ट्र माता का दर्जा देना चाहती हैं। छह राज्यों से जब इस सबंध में बिल केंद्र सरकार के पास जाएगा तो गो माता को राष्ट्र माता का दर्जा मिल जाने का काम होगा, ऐसी उन्हें पूरी उममीद हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा से संबंध रखने वाले सभी राज्य इस पर काम कर रहे हैं।

दीपावली पर केवल घरों में दीये जलाएं सिख : ज्ञानी रघबीर सिंह

चंडीगढ़ (हिंस)। अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी रघबीर सिंह ने संगत के नाम जारी एक संदेश में कहा है कि इस बार एक नवंबर को बंदी छोड़ दिवस के अवसर पर केवल घरों में घी के दीये जलाए जाएं। उन्होंने किसी भी प्रकार की बिजली की सजावट न करने का अनुरोध किया है। यह निर्देश 1 नवंबर 1984 को हुए सिख नरसंहार की 40वीं बरसी के मद्देनजर दिया गया है। ज्ञानी रघबीर सिंह ने बुधवार को जारी संदेश में कहा कि इस साल केवल गोल्डन टेंपल और श्री अकाल तख्त साहिब पर ही बिजली की सजावट की जाएगी। दुनियाभर की सिख संगत को सलाह दी गई है कि वे अपने घरों और गुरुद्वारों में केवल घी के दीये जलाएं और बिजली की सजावट से परहेज करें। अकाल तख्त साहिब के सचिवालय ने अपने लिखित बयान में उन्होंने 1984 के सिख नरसंहार को याद किया, जो कांग्रेस सरकार के शासन के दौरान हुआ था। ज्ञानी रघबीर सिंह ने कहा कि दिल्ली सहित देश के 110 शहरों में सिखों का नरसंहार किया गया और इसे एक सिख नरसंहार के रूप में स्वीकार किया जाना चाहिए। ज्ञानी रघबीर सिंह ने इस घटना को सिख समुदाय के लिए एक गहरे घाव के रूप में याद किया, जो आने वाली पीढ़ियों तक उनके मन में रहेगा। उन्होंने कहा कि 1 नवंबर का दिन बंदी छोड़ दिवस के रूप में भी मनाया जाता है, जो श्री गुरु हरगोबिंद साहिब जी के ग्वालियर किले से रिहाई और श्री अमृतसर साहिब आगमन की याद में मनाया जाता है।

राजस्थान में गोधरा कांड के चैप्टर वाली किताबें वापस मंगवाई

जयपुर (हिंस)। राजस्थान में सरकारी स्कूलों की उन किताबों को वापस मंगवा लिया गया है, जिसमें 2002 में गुजरात के गोधरा कांड का जिक्र किया गया है। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि पूर्व कांग्रेस सरकार के वक्त स्कूली बच्चों की किताबों में हत्यारों का महिमा-मंडन किया गया है। ऐसे में इस तरह की विवादित किताबों को फिर से मंगाया जाएगा ताकि बच्चे गलत शिक्षा हासिल ना करें। दरअसल, राजस्थान सरकार ने प्रदेश के सरकारी स्कूलों में वितरित की जा चुकी चार किताबों को वापस मंगवाने के आदेश जारी किए हैं। अदृश्य लोग-उम्मीद और साहस की कहानी में *9 लंबे साल* नामक अध्याय में गोधरा कांड में ट्रेन में लगी आग को आतंकी साजिश बताया गया है। इसको लेकर

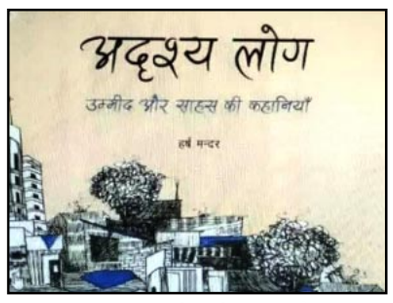

अब भाजपा सरकार ने पूर्व सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। शिक्षा मंत्री का कहना है कि जब इन किताबों को पढ़ा गया तो पड़ता चला कि गोधरा में जो हुआ था, उसकी नेगेटिव जानकारी दी गई। किताबों में अपराधी को अच्छा बताया गया है। किताबों में गोधरा कांड के हत्यारों के महिमा मंडन का प्रयास किया गया है, जो सही नहीं है। ऐसे में विवादित किताब को वापस मंगा लिया गया है। अब बच्चे विवादित मुद्दों को नहीं पढ़ेंगे। जिस किताब को वापस लिया गया है, वह सामाजिक कार्यकर्ता हर्ष मंदर ने लिखी है। वे मप्र-छत्तीसगढ़ कैडर के पूर्व आईएएस हैं। दो जिलों में कलेक्टर रह चुके हैं। गुजरात दंगों के बाद से ही उन्होंने आईएएस की नौकरी छोड़कर एनजीओ में काम करना शुरू किया था। पिछले साल केंद्रीय गृह मंत्रालय ने उनके खिलाफ सीबीआई जांच के आदेश दिए थे। उन पर विदेशों से चंदा लेने के मामले में कानून का उल्लंघन करने का आरोप था। मंदर 25 से ज्यादा किताबें लिख चुके हैं।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों व कर्मचारियों को दिलाई राष्ट्रीय एकता की शपथ

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने देश के प्रथम गृह मंत्री और लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में सरदार पटेल को याद कर उन्हें शत-शत नमन किया और उनके चरणों में पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने सिविल सेवकों का आह्वान किया कि वे राष्ट्रीय एकता दिवस पर यह संकल्प लें कि हरियाणा के लोगों की जो भी अपेक्षाएं हैं, उन पर हम खरा उतरेंगे व उनकी आवश्यकताओं को पूरा करते हुए हरियाणा को मजबूती से आगे बढ़ाने का काम करेंगे। मुख्यमंत्री बुधवार को हरियाणा सिविल सचिवालय, चंडीगढ़ में राष्ट्रीय एकता दिवस पर आयोजित शपथ समारोह में बोल रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री ने सरदार वल्लभभाई पटेल के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल उच्च कोटि के राजनेता और प्रशासनिक व्यक्ति थे। उनके जीवन से हमें जानने को मिलता है कि उनका जीवन सदैव देश के हित और देश के लोगों समस्याओं के समाधान करने के लिए समर्पित रहा ताकि आने वाली पीढ़ियां खुली हवा में सांस ले सकें। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने स्वतंत्रता संग्राम में अहम भूमिका निभाई, वहीं आजादी के बाद देश को एक सूत्र में पिरोने का अतुलनीय कार्य भी किया। नायब सिंह सैनी ने कहा कि जब देश आजाद हुआ, तो उस समय देश कई छोटी-बड़ी रियासतों में बंटा था। उस समय सरदार पटेल ने अपनी सूझबूझ से 562 रियासतों का एकीकरण कर एकता के सूत्र में पिरोकर अखंड भारत का निर्माण किया। उन्होंने कहा कि जब देश आजाद हुआ तो एक ओर आजादी का जश्न मनाया जा रहा था तो दूसरी ओर लाखों लोगों का बलिदान हो रहा था। कई क्रांतिवीरों में इस देश की आजादी के लिए स्वयं को कुर्बान किया। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों ने यहां बहुत अत्याचार किया और लोगों का शोषण करने का काम किया। उन्होंने कानून भी अपनी सुविधा अनुसार बनाये। यदि कोई अंग्रेजों के विरुद्ध आवाज उठाता था, तो उसे यातनाएं दी जाती थी। परंतु आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने अंग्रेजों के बनाए हुए कानून को खत्म करके भारत संहिता अनुसार कानून बनाने का काम किया गया है।

राजस्थान विधानसभा उपचुनाव : सात विस क्षेत्रों में अब 69 प्रत्याशी चुनाव मैदान में

जयपुर (हिंस)। राजस्थान में उपचुनाव के लिए सात विधानसभा क्षेत्रों में 69 अभ्यर्थी चुनाव में भागीदारी करेंगे। इनमें 10 महिला अभ्यर्थी और 59 पुरुष हैं। नामांकन वापसी के अंतिम दिन बुधवार को 10 अभ्यर्थियों ने नामांकन-पत्र वापस लिए हैं जबकि 5 अभ्यर्थी पूर्व में नाम वापस ले चुके हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने बताया कि 7 विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव के लिए नामांकन की अंतिम तिथि 25 अक्तूबर तक कुल 94 अभ्यर्थियों ने नामांकन-पत्र प्रस्तुत किए थे। सोमवार 28 अक्तूबर को नामांकन पत्रों की संवीक्षा के दौरान 10 अभ्यर्थियों के नामांकन-पत्र रद्द हुए थे। इस क्रम में बुधवार को नामांकन-पत्र वापसी की अवधि बीत जाने के बाद अब कुल 69 अभ्यर्थी मैदान में हैं। महाजन ने बताया कि दौसा और खींवसर विधानसभा क्षेत्रों में सर्वाधिक 12-12 अभ्यर्थी और सलूम्बर में सबसे कम 6 अभ्यर्थी मैदान में हैं।

राजस्थान में एक नवंबर को रहेगा सार्वजनिक अवकाश

जयपुर (हिंस)। राजस्थान में एक नवंबर को सार्वजनिक अवकाश रहेगा। कर्मचारियों की मांग पर राज्य सरकार ने बुधवार को इसकी घोषणा की। विभिन्न कर्मचारी संगठन लगातार एक नवंबर को छुट्टी घोषित करने की मांग कर रहे थे। इसे लेकर कर्मचारी संगठनों ने 24 अक्तूबर को मुख्य सचिव सुधांश पंत को ज्ञापन भी सौंपा था। 31 अक्तूबर को दीपावली है। दो अक्तूबर को गोवर्धन पूजा और तीन को भैया दूज के चलते सार्वजनिक अवकाश है। इनके बीच में एक नवंबर को वर्किंग डे था। ऐसे में कर्मचारियों की मांग थी कि एक नवंबर को सैंडविच-डे (दो छुट्टियों के बीच का कार्य दिवस) के मौके पर भी अवकाश घोषित किया जाए। सरकार ने उनकी मांग मानते हुए छुट्टी के आदेश जारी कर दिए। प्रदेश में विधानसभा सचिवालय ने मंगलवार को ही एक नवंबर की छुट्टी की घोषणा कर दी थी। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के निर्देश पर प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा ने इस संदर्भ में आदेश जारी कर दिए थे।

सपा मुख्यालय के बाहर लगी *न बटेंगे न कटेंगे, पीडीए के संग रहेंगे* की होर्डिंग

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश में हो रहे उपचुनाव को लेकर मतदाताओं को साधने के लिए राजनीतिक दलों के बीच होर्डिंग्स वार जारी है। भाजपा के *बंटोगे तो कटोगे* की लगी होर्डिंग्स का जवाब समाजवादी पार्टी ने बुधवार को पार्टी मुख्यालय पर होर्डिंग लगाकर दिया है। हालांकि सपा की ओर से यह होर्डिंग अधिकारिक रूप से लगी या नहीं इसकी पुष्टि नहीं है। यह होर्डिंग सपा नेता अमित चौबे के सौजन्य से लगाई गई है जिसमें लिखा है कि *न बटेंगे न कटेंगे, पीडीए के संग रहेंगे* जो राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गई है। समाजवादी पार्टी प्रदेश कार्यालय के बाहर बुधवार को महाराजगंज के फरेंदा विधानसभा से नेता अमित चौबे के सौजन्य से एक होर्डिंग लगाई गई है। इस होर्डिंग में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को 2027 के सत्ताधीश के साथ भाजपा के एक सियासी सुर्खियां बने स्लोगन *बंटोगे तो कटोगे* पर कटाक्ष किया गया है। इसमें लिखा है कि न बटेंगे न कटेंगे, पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के संग रहेंगे। यह होर्डिंग मीडिया से लेकर सोशल मीडिया में छा गई और राजनीतिक चर्चा का विषय बन गई।

सरकार और प्रशासन जनता को नहीं दे पा रहे न्याय : अखिलेश यादव

लखनऊ/हरदोई (हिंस)। प्रशासन अगर जनता की सुनने लगे तो आज जो घटना जौनपुर (किशोर की जमीनी विवाद में हुई हत्या) में हुई है ऐसी घटना नहीं होगी। प्रशासन और सरकार के लोग न्याय नहीं दे पा रहे हैं। जौनपुर इससे पहले एक बिंद परिवार के नौजवान को पीट-पीट कर पुलिस ने मार दिया। उसी जिले में एक यादव की हत्या हुई। अभी कुछ दिन पूर्व लखनऊ में मोहित पांडेय की हत्या कर दी गई। उससे पहले एक गौतम नाम के युवक की हत्या हुई। ये जो कस्टोडियाल डेथ पहले कभी नहीं हुई होगी। इतना भ्रष्टाचार कभी नहीं हुआ होगा। यह बातें बुधवार को हरदोई पहुंचे समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुए कही। वे पूर्व एमएलए राजेश्वरी देवी के आवास मृत पुत्र को श्रद्धांजलि

देने पहुंचे थे। अखिलेश ने कहा कि भाजपा लोगों को बचाती नहीं फंसाती है। भाजपा किसी की सगी नहीं है। ये हम नहीं उन्हीं के पार्टी वालों से पूछो। उन्होंने पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि पीडीए की ताकत से घबराकर ये नारा (बंटेंगे तो कटेंगे) दिया गया है। पीडीए की बढ़ती हुई ताकत से बीजेपी घबराई हुई है। ये किस लैब में तैयार हुआ और कौन इसके लिए उपयोगी व्यक्ति हो इसके लिए हमारे मुख्यमंत्री को आगे लाया गया। इस बार पीडीए लोगों को जोड़ेगा। घबराई बीजेपी इसीलिए ऐसे नारे दे रही है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि पीडीए परिवार वो है जो सामाजिक न्याय की लड़ाई एवं सामाजिक सद्भाव को आगे बढ़ाना चाहता है। अगर आज कोई भाईचारा बचा रहा है तो पीडीए परिवार ही बचा रहा है। अखिलेश यादव ने कहा कि बीजेपी सरकार की स्ट्रैटजी बहुत साफ है, पहले तो झूठा फंसाओ और फिर मीडिया के माध्यम से बदनाम कर दो की कोई अगर मदद करने आए तो उसे भी प्रशासन की मदद से झूठे मुकदमे लगाकर फंसा दो। अगर मीडिया या पत्रकार कोई सच्चाई दिखा दे तो उसे पर भी ऐसा मुकदमा लगेगा कि हाईकोर्ट तक के चक्कर लगाता रहे।

पृष्ठ तीन का शेष

अल्फा (स्वा.) के ...

अरुणोदय दहोतिया और स्वयंभू ब्रिगेडियर गणेश लाहोन द्वारा संचालित विद्रोही गतिविधियों में प्रमुख मददगार के रूप में की है। सूत्रों ने बताया कि संयुक्त अभियान जारी है, क्योंकि सुरक्षा बलों का लक्ष्य क्षेत्र में अल्फा (स्वा.) से जुड़े शेष पूरे नेटवर्क को खत्म करना है। चल रहे इस ऑपरेशन को महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि सुरक्षा एजेंसियां 2025 के गणतंत्र दिवस के दौरान आईईडी हमलों के खतरों का मुकाबला करने और असम में स्थिरता सुनिश्चित करने पर ध्यान दे रही हैं।

सुंदरगढ़ में दो ...

घायलों का सुंदरगढ़ जिला मुख्यालय अस्पताल में इलाज जारी है। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, दूसरे समूह के कुछ लोग धारदार हथियारों के साथ गांव में घुस गए थे और दूसरे गुट के सदस्यों पर हमला करने लगे। इस मामले की जांच जारी है। दोषियों को पकड़ने के लिए पुलिस की दो टीमें बनाई गई हैं। घटनास्थल पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, फॉरेंसिक टीम और डॉग स्कॉड मौजूद हैं।

धुबड़ी के सांसद ...

शहर के अलग-अलग हिस्सों में मंगलवार को धनतेरस की रात दीवारों पर लगे पोस्टर की खबर चारों और फैल गयी है। हालांकि, दीवारों पर इस तरह का पोस्टर किसने लगाया है, इसके बारे में कोई जानकारी सामने नहीं आई है। जबकि, स्थानीय लोग सांसद की इलाके में नहीं आने को लेकर बेहद नाराज हैं। गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव में रकीबुल हुसैन देश भर में सबसे अधिक मत लगभग 10 लाख से अधिक प्राप्त कर कांग्रेस के टिकट पर सांसद चुने गए हैं। जबकि, सामागुरी विधानसभा से इस्तीफा देने के बाद इस सीट पर अपने बेटे को विधायक बनाने के लिए रकीबुल हुसैन पूरा जोर लगा रहे हैं। इस बीच कांग्रेस के अंदर टिकट बंटवारे को लेकर काफी घमाशान मचा हुआ है। लंबे समय से पार्टी के लिए काम करने वाले कार्यकर्ता सांसद के बेटे को टिकट दिए जाने को लेकर अंदरखाने नाराज हैं।

बैकफुट पर कांग्रेस...

फाइट नहीं होने वाली है। हम एकजुट होकर चुनाव लड़ने जा रहे हैं। हमने जिनको एबी फॉर्म दिया है, सिर्फ वही लड़ पाएंगे। जिन सीटों पर फॉर्म नहीं दिया गया है, उन्हें नाम वापस लेना होगा। शिवसेना के उद्धव गुट ने नाराजगी जाहिर की है। पार्टी के प्रवक्ता संजय राउत ने कहा कि उन सीटों पर भी कांग्रेस ने उम्मीदवार दे दिए हैं, जिन पर हम लड़ रहे हैं। राउत ने कहा कि विधानसभा चुनाव में लोकसभा का सांगली मॉडल दोहराया जा रहा है। दरअसल, लोकसभा चुनाव के दौरान सांगली सीट शिवसेना (यूबीटी) को मिली थी। इसके बावजूद कांग्रेस के बागी विशाल पाटिल यहां से मैदान में उतर गए। पाटिल की वजह से शिवसेना (यूबीटी) के उम्मीदवार तीसरे नंबर पर खिसक गए। चुनाव बाद विशाल पाटिल कांग्रेस में चले गए। उद्धव गुट का कहना है कि जल्द ही एक बैठक की जाएगी और उन सीटों पर से उम्मीदवार वापस लेने के लिए कहा जाएगा, जहां गठबंधन धर्म तोड़कर पार्टियों ने उम्मीदवार उतारे हैं।

झारखंड में घुसपैठ ...

झारखंड में घुसपैठ सबसे बड़ी समस्या है। घुसपैठिए आसानी से समाज का हिस्सा बन रहे हैं, जो चिंता का विषय है। वे कांग्रेस और झामुमो के संरक्षण में पल और बढ़ रहे हैं। उन्हें रोकने के लिए हर हाल में झारखंड में भाजपा की सरकार बनाना होगा। भारतीय जनता पार्टी से सिमरिया विधानसभा प्रत्याशी उज्ज्वल कुमार दास की जीत सुनिश्चित करने के लिए सभी कार्यकर्ता कृत संकल्पित हैं और एकजुट होकर कार्य कर रहे हैं। इस मौके पर चतरा सांसद कालीचरण सिंह, भाजपा प्रत्याशी उज्ज्वल दास समेत अन्य उपस्थित थे।

25 लाख दीयों ...

धर्म ने कभी किसी का अहित नहीं किया, सबको गले से लगाया। जो भी मानवता के मार्ग में, विकास के मार्ग में बैरियर बनेगा, उसकी वही दुर्गति होनी है जो उत्तर प्रदेश के माफियाओं की हुई है। उन्होंने कहा कि यह वर्ष अयोध्या के लिए अद्भुत, अनुपम, अलौकिक है जब इस वर्ष 500 वर्षों का इंतजार समाप्त करके एक बार फिर राम लला अपने धाम में विराजमान होकर दुनिया के सभी पीड़ितों को ये संदेश दे गए कि कभी भी अपने पथ से विचलित नहीं होना चाहिए। योगी ने कहा कि आज हमारे पास यह अवसर है उन सभी आत्माओं को स्मरण करने का जिनका पूरा जीवन राम जन्मभूमि आंदोलन के लिए समर्पित था। मैं इस अवसर पर उन सभी पूज्य संतों को नमन करता हूं। उन्होंने कहा कि जो 3.5 लाख की संख्या में अपनी शहादत देकर एक ही तमन्ना के साथ इस धरा से अल्विदा हो गए कि अयोध्या में चाहें कुछ भी हो इस धरा पर राम मंदिर का निर्माण होना चाहिए... उनका संकल्प पूरा हुआ। राम लला के विराजमान होने के बाद ये दीपोत्सव का पहला अवसर है। इससे पहले हम लोग बोलते थे और जो हमने कहा वो करके भी दिखाया। योगी ने कहा कि यह तो बस शुरुआत है और इस शुरुआत को अपने तार्किक निष्कर्ष पर पहुंचना है।

सुलझे भारत-चीन के ...

डेमचौक में टकराव वाले दो बिंदुओं पर सैनिकों के पीछे हटने की प्रक्रिया शुरू की थी। पीएम मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई बातचीत के बाद से पूर्वी लद्दाक में एलएसी पर डिसइंगेजमेंट की प्रक्रिया शुरू हो गई थी। डिसइंगेजमेंट की प्रक्रिया का मतलब सैनिकों की वापसी से होता है। भारतीय सेना के अधिकारी देपसांग और डेमचौक में इस डिसइंगेजमेंट पर नजर रख रहे हैं। इन सब के बीच डेमचौक में दोनों ही तरफ से अभी तक कई टेंट हटाए जा चुके हैं। हालांकि, ये प्रक्रिया अब पूरी कर ली गई है। पूर्वी लद्दाख में सात ऐसे पॉइंट हैं, जहां चीन के साथ टकराव की स्थिति रहती है। ये हैं पेट्रोलिंग पॉइंट 14 यानी गलवान, 15 यानी हॉट स्प्रिंग, 17ए यानी गोगरा, पैंगोंग झील के उत्तर और दक्षिण छोर, डेपसांग प्लेन और डेमचॉक में चारदिंग नाला हैं, जहां तनाव रहता है।अप्रैल 2020 में चीन ने एक सैन्य अभ्यास के बाद पूर्वी लद्दाख के 6 इलाकों में अतिक्रमण किया था। 2022 तक चार इलाकों से चीन की सेना पीछे हट गई। दौलत बेग ओल्डी और डेमचॉक पर भारतीय सेना को पेट्रोलिंग नहीं करने दी जा रही थी। अप्रैल 2020 से पहले सैन्य अभ्यास के नाम पर चीनी सेना हजारों की तादाद में सीमा पर जमा हो गई।

राष्ट्रपति ने देशवासियों ...

पावन अवसर पर, हमें अपनी अंतरात्मा को प्रकाशित करना चाहिए, प्रेम और करुणा के गुणों को अपनाना चाहिए और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देना चाहिए। वहीं राष्ट्रपति भवन की तरफ से जारी एक संदेश में राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि दिवाली खुशी और उत्साह का त्योहार है। उन्होंने कहा कि यह त्योहार अज्ञान पर ज्ञान और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। भारत और विदेशों में कई समुदाय इस त्योहार को बड़े उत्साह के साथ मनाते हैं। उन्होंने कहा कि यह त्योहार एक उज्ज्वल भविष्य की आशा भी जगाता है। राष्ट्रपति मुर्मू ने देश और विदेश में रहने वाले सभी भारतीयों को दिवाली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आइए हम भारत की गौरवशाली विरासत पर गर्व करें। अच्छाई में विश्वास के साथ, आइए हम प्रदूषण मुक्त दिवाली मनाएं और एक स्वस्थ, समृद्ध और जिम्मेदार समाज के निर्माण का संकल्प लें।

सीएम ने दीं काली ...

देते हुए कहा कि यह त्योहार आशा और सकारात्मकता के साथ भविष्य की ओर देखने का अवसर है। उन्होंने कहा कि मां काली की पूजा का विशेष महत्व है क्योंकि इस देवी की पूजा सभी बुराइयों को नष्ट करने वाली मानी जाती है। देवी काली की पूजा पूरी श्रद्धा के साथ की जाती है क्योंकि, इस अवसर पर हमारे घरों को रोशन किया जाता है जिससे अंधकार का उन्मूलन होता है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि प्रकाश का त्योहार दीपावली बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है और यह हमारी अनूठी सांस्कृतिक विरासत का प्रतिनिधित्व करता है। उम्मीद है कि यह त्योहार हमारे सार्वभौमिक भाईचारे, दोस्ती और सौहार्द के बंधन को मजबूत करने के लिए मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह त्योहार शांति और सद्भाव को बढ़ावा देने के अलावा सभी के लिए खुशी और समृद्धि लाए।

सेवा प्रकल्प के...

सरस्वती शिशु मंदिर में संघ प्रचारकों का प्रशिक्षण वर्ग दीपावली के दिन शुरू होगा। इसमें सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले सहित संघ के सभी सह सरकार्यवाह और 31 संगठनों के 554 प्रचारक शामिल होंगे। सरसंघचालक डॉ. भागवत बुधवार सुबह 10.30 बजे भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच आरोग्यधाम पहुंचे। इस अवसर पर प्रांत प्रचारक विमल गुप्ता, विभाग कार्यवाह विजय दीक्षित, राधेश्याम गुप्ता, मनोज सिंघल व आरोग्यधाम संचालन समिति के सदस्य मधुसूदन भदौरिया उपस्थित रहे। डॉ. भागवत ने आरोग्यधाम में चल रहे आईसीयू, एनआईसीयू, ऑपरेशन थियेटर को निरीक्षण किया। संस्थान के पदाधिकारियों ने उन्हें यहां संचालित विभिन्न गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। आरोग्यधाम में कैथ लैब की स्थापना के बाद यहां हृदय रोगियों को उपचार मिल रहा है। वर्तमान में आरोग्यधाम अब 200 बिस्तर का अस्पताल हो गया है। अस्पताल में न्यूरोलॉजिस्ट की सुविधाएं भी अब उपलब्ध हैं। इसके अलावा सभी प्रकार की सर्जरी अस्पताल में हो रही है, क्योंकि आरोग्यधाम की ओटी अत्याधुनिक है। इसका आवश्यकता के अनुरूप विस्तार किया जा रहा है।

शुभ दीपावली

किस घर आती हैं लक्ष्मी

जहां स्वच्छता, पति-पत्नी में प्रेम-भाव, बुजुर्गो के प्रति सम्मान और सौहार्द की भावना होती है, वहीं लक्ष्मी निवास करती हैं। अतः लक्ष्मीवान बनने के लिए जरूरी है कि सद्गुणों व संस्कारों को विकसित किया जाए। 01 नवंबर को दीपावली है, इस अवसर पर डॉ. अतुल टंडन का आलेख..

आजकल लोग भगवती लक्ष्मी को केवल धनागम के लिए पूज रहे हैं, जबकि धन-संपत्ति उनकी विभूति मात्र है। हम लक्ष्मी को धन का पर्याय समझने की भूल कर बैठे हैं। सच तो यह है कि धन केवल इन देवी की एक कला (अंश) मात्र है। इसलिए धनवान होना और लक्ष्मीवान होना, ये दो अलग-अलग बातें हैं। सही मायनों में लक्ष्मी का पर्यायवाची शब्द केवल श्री है। वेद में वर्णित श्रीसूक्त की ऋचाओं के द्वारा लक्ष्मीजी का आह्वान किया जाता है। भगवती की अनुकंपा से धन-संपत्ति के साथ-साथ प्रतिष्ठा, निरोगता, सद्बुद्धि, सुख, शांति और वैभव की प्राप्ति भी होती है। इसी कारण युगों से मानव श्रीमान बनने की कामना करता रहा है, किंतु सच्चा श्रीमान वही है, जो धन पाने के बाद धर्म के पथ से विमुख न हो। यानी अहंकार के वशीभूत होकर बुरे कर्म न करे। स्वार्थी होने के बजाय परमार्थी बने।

दीपावली की पूजा में हम प्रार्थना करते हैं कि भगवती लक्ष्मी हमारे घर पधारें, लेकिन यह जानना भी जरूरी है कि लक्ष्मीजी कहां निवास करना चाहती हैं? पुराणों में इस संदर्भ में एक आख्यान मिलता है। एक बार भगवान विष्णु ने लक्ष्मीजी से पूछा - हे देवि, क्या करने से तुम अचल होकर घर में रहती हो? इस पर विष्णुप्रिया लक्ष्मी बोलीं- जिस घर में कलह-क्लेश नहीं होता, वहां मैं विद्यमान रहती हूं। जिस घर में गृहस्थी का कुशल प्रबंध होता है और जहां सदा स्वच्छता रहती है, मैं उस घर में वास करती हूं। जिस घर में लोग मृदुभाषी और सौहार्द बनाए रखने वाले हैं, मैं वहां निवास करती हूं। जिस परिवार में बड़े-बूढ़ों की सेवा-सुश्रूषा होती है, मैं उस घर में निवास करती हूं। जिस घर के द्वार से कोई भूखा-असहाय खाली नहीं लौटता, मैं वहां वास करती हूं। जहां स्त्रियों का अनादर या शोषण नहीं होता, मैं वहां रहती हूं।

देवी ने श्रीहरि को यह भी बताया कि किस प्रकार के स्त्री-पुरुष उनके प्रिय पात्र होते हैं। जो स्त्री सुख-दुख हर स्थिति में पति का साथ देती है, वह लक्ष्मीजी को प्रिय है। जो पुरुष सदाचारी, कर्मठ, विनयशील, कर्तव्यनिष्ठ एवं पत्नी के प्रति ईमानदार है, वह लक्ष्मीजी की कृपा का पात्र है। कुल मिलाकर, यह निष्कर्ष निकलता है कि भगवती लक्ष्मी सद्गुणों और अच्छे संस्कारों को अपने निमित्त किए जा रहे पूजा-पाठ अर्थात कर्मकांड से अधिक महत्व देती हैं।

हालांकि शास्त्रों में लक्ष्मी-पूजा के लिए अमावस्या तिथि को निषिद्ध माना गया है, किंतु दीपावली में लक्ष्मी-अर्चना कार्तिक मास की अमावस्या को ही होती है। क्योंकि मान्यता है कि दस महाविद्याओं में लक्ष्मी-स्वरूपा कमला का आविर्भाव इसी तिथि में हुआ। कार्तिक अमावस्या वस्तुतः कमला जयंती है। इसलिए इस दिन कमला (लक्ष्मी) का पूजन शास्त्रोचित है। अमावस की अंधेरी रात में दीपमालिका जलाकर पूजा करने का तात्पर्य है कि ज्ञान के प्रकाश से अज्ञान का अंधकार समाप्त हो। इसके अतिरिक्त दीपदान के माध्यम से चातुर्मास में सो रहीं लक्ष्मी (भगवान विष्णु की आह्लादिनी शक्ति) को कार्तिक शुक्ल (देवोत्थान) एकादशी से पूर्व लोकहितार्थ जगाया जाता है। जिस प्रकार एक गृहिणी गृहस्वामी से पहले जागकर अपने कार्य में तत्पर हो जाती है, उसी तरह कार्तिकी अमावस्या के दिन श्रीहरि की अर्द्धांगिनी उनसे ग्यारह दिन पूर्व जाग जाती हैं।

लक्ष्मीजी का जागरण दीपमालिका को प्रज्वलित करने से होता है, अतः कमला जयंती दीपावली के रूप में लोक-विख्यात हो गई। कमल के आसन पर विराजमान, हाथ में कमल पुष्प लिए हुए कमल द्वारा पूजित भगवती कमला साक्षात लक्ष्मी ही हैं। जिस प्रकार कमल कीचड़ में खिलता है, उसी प्रकार कर्मयोगी विपरीत परिस्थितियों से निपटकर लक्ष्य को हासिल कर लेता है।

अतः दीपावली की पूजा का मूल उद्देश्य श्रीमान या लक्ष्मीवान बनना है, न कि केवल धनवान। ज्ञान के आलोक में अंतस का अंधकार (अज्ञान) नष्ट हो जाने पर सद्गुणों का तेज ही मनुष्य को लक्ष्मीवान या श्रीमान बना सकता है। श्री अर्थात लक्ष्मी सिर्फ सदाचारी का ही वरण करती हैं। दुराचारी धनवान भले बन जाए, पर वे श्रीमान (लक्ष्मीवान) कहलाने के अधिकारी नहीं बन सकते। श्रीदेव्यथर्वशीर्ष में महालक्ष्मी गायत्री का उल्लेख है- महालक्ष्म्यै च विद्महे सर्वशक्त्यै च धीमहि तन्नो देवी प्रचोदयात। जिसका भावार्थ यह है - हम महालक्ष्मी को जानते हैं और उन सर्वशक्तिरूपिणी का ही ध्यान करते हैं। वह देवी हमें सत्प्रेरणा देकर सत्कर्मो में प्रवृत्त करें। दीपावली-पूजा में ही हमारा यही संकल्प होना चाहिए।

दिवाली पूजा विधि

दीवाली के दिन की विशेषता लक्ष्मी जी के पूजन से संबन्धित है. इस दिन हर घर, परिवार, कार्यालय में लक्ष्मी जी के पूजन के रुप में उनका स्वागत किया जाता है. दीवाली के दिन जहां गृहस्थ और वाणिज्य वर्ग के लोग धन की देवी लक्ष्मी से समृद्धि और वित्तकोष की कामना करते हैं, वहीं साधु-संत और तांत्रिक कुछ विशेष सिद्धियां अर्जित करने के लिए रात्रिकाल में अपने तांत्रिक कर्म करते हैं.

पूजा सामग्री

- लक्ष्मी व श्री गणेश की मूर्तियां (बैठी हुई मुद्रा में)
- केशर, रोली, चावल, पान, सुपारी, फल, फूल, दूध, खील, बताशे, सिंदूर, शहद, सिक्के, लौंग.
- सूखे, मेवे, मिठाई, दही, गंगाजल, धूप, अगरबत्ती, 11 दीपक
- रूई तथा कलावा नारियल और तांबे का कलश चाहिए.

पूजा का तैयारी

चौकी पर लक्ष्मी व गणेश की मूर्तियाँ इस प्रकार रखें कि उनका मुख पूर्व या पश्चिम में रहें. लक्ष्मीजी,गणेशजी की दाहिनी ओर रहें. पूजनकर्ता मूर्तियों के सामने की तरफ बैठे. कलश को लक्ष्मीजी के पास चावलों पर रखें. नारियल को लाल वस्त्र में इस प्रकार लपेटें कि नारियल का अग्रभाग दिखाई देता रहे व इसे कलश पर रखें. यह कलश वरुण का प्रतीक है. लक्ष्मीजी की ओर श्री का चिह्न बनाएँ. गणेशजी की ओर त्रिशूल, चावल का ढेर लगाएँ. सबसे नीचे चावल की नौ ढेरियाँ बनाएँ. छोटी चौकी के सामने तीन थाली व जल भरकर कलश रखें. तीन थालियों में निम्न सामान रखें।

ग्यारह दीपक

(पहली थाली में)

- खील, बताशे, मिठाई, वस्त्र, आभूषण, चन्दन का लेप सिन्दूर कुंकुम, सुपारी, पान (दूसरी थाली में)
- फूल, दुर्वा चावल, लौंग, इलायची, केसर-कपूर, हल्दी चूने का लेप, सुगंधित पदार्थ, धूप, अगरबत्ती, एक दीपक. (तीसरी थाली में)
- इन थालियों के सामने पूजा करने वाला स्व्यं बैठे. परिवार के सदस्य आपकी बाईं ओर बैठें. शेष सभी परिवार के सदस्यों के पीछे बैठे.

लक्ष्मी पूजन विधि

आप हाथ में अक्षत, पुष्प और जल ले लीजिए. कुछ द्रव्य भी ले लीजिए. द्रव्य का अर्थ है कुछ धन. यह सब हाथ में लेकर संकसंकल्प मंत्र को बोलते हुए संकल्प कीजिए कि मैं अमुक व्यक्ति अमुक स्थान व समय पर अमुक देवी-देवता की पूजा करने जा रहा हूं जिससे मुझे शास्त्रोक्त फल प्राप्त हो. सबसे पहले गणेश जी व गौरी का पूजन कीजिए.हाथ में थोड़ा-सा जल ले लीजिए और आह्वाहन व पूजन मंत्र बोलिए और पूजा सामग्री चढ़ाइए. हाथ में अक्षत और पुष्प ले लीजिए और नवग्रह स्तोत्र बोलिए. अंत में महालक्ष्मी जी की आरती के साथ पूजा का समापन कीजिये.

दीपक का संदेश

ईश्वर को प्रकाश स्वरूप माना गया है। अतः दीपक की ज्योति ज्ञान एवं विवेक जैसे ईश्वरीय गुणों को प्रकट करती है। दीप पात्रता, लगन, स्नेह और प्रकाश का समन्वय है। इसके अवयवों को इस प्रकार समझा जा सकता है -

पात्र दीपक का पात्र पात्रता-प्रामाणिकता का प्रतीक है। पात्रता का अर्थ ही होता है- प्रामाणिकता। अत: उपासना करने वाले व्यक्ति का प्रामाणिक होना अनिवार्य है।

घृत घी-तेल आदि को संस्कृत में स्नेह कहते हैं। पात्र में इसे भरने का अर्थ है कि प्रामाणिक व्यक्ति अपने अंदर संपूर्ण मानवता के प्रति स्नेह धारण करे।

वर्तिका दीप की बत्ती को संस्कृत में वर्तिका कहते हैं। इसका अर्थ होता है- लगन, अर्थात बिना कर्मठता के ईश्वरीय अनुदान संभव नहीं।

ज्योति पात्र, स्नेह और वर्तिका को धारण करने के बाद ही दीपक ज्योति को धारण कर सकता है। अर्थात पात्रता, स्नेह और कर्मठता के गुणों को धारण करने वाले व्यक्ति के अंतर्मन में ही ईश्वरीय प्रभा आलोकित होती है।

दीप हिंदुओं का तो प्रमुख पूजन प्रतीक है ही, ईसाई भी चर्च में मोमबत्ती जलाते हैं। इस्लाम में चिराग रोशन किया जाता है और पारसियों की प्रमुख आराध्य ही अग्नि है। दीप के महत्व के कारण दीपयज्ञों की परंपरा शुरू हुई। मात्र अंधकार को धिक्कारते रहने से उजाला नहीं आता। उसके लिए दीप जलाना अनिवार्य है। अर्थात विश्व-कल्याण की अपेक्षा करना ही पर्याप्त नहीं, बल्कि उसके लिए प्रयास करना आवश्यक है। जिस प्रकार एक दीप से अनेक दीप जलते हैं, उसी प्रकार एक प्रयास अन्य लोगों को प्रेरणा देगा।

पेरिस मास्टर्स 2024 के तीसरे दौर में पहुंचे कार्लोस अल्कराज

पेरिस। विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी स्पेन के कार्लोस अल्कराज ने मंगलवार को दूसरे दौर में चिली के निकोलस जैरी को 7-5, 6-1 से हराकर पेरिस मास्टर्स के तीसरे दौर में प्रवेश किया। पिछले साल इसी चरण में हारने वाले अल्कराज ने 13 विनर्स और केवल छह अनफोर्स्ड एरर मारकर जैरी को आसानी से शिकस्त दी। अल्कराज ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हर साल अपने टेनिस प्रदर्शन की तुलना करना हमेशा मुश्किल होता है, लेकिन मैं मानसिक रूप से बेहतर स्थिति में हूं। मैं इस सीजन के इस हिस्से में अपने सर्वश्रेष्ठ स्तर पर खेलना चाहता हूं। मैं इस टूर्नामेंट को जीतने और अच्छे नतीजे देने के लिए प्रेरित हूं। पिछले साल कोर्ट शायद धीमा था, लेकिन तुलना करना मुश्किल है।

स्पेन के इस खिलाड़ी की कोशिश दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी जननिक सिनर से 4300 अंकों के अंतर को कम करने की होगी, जिन्होंने वायरस के कारण टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया था।

अल्कराज ने कहा, जब दुनिया का सबसे बेहतरीन खिलाड़ी किसी टूर्नामेंट से नाम वापस ले लेता है, तो यह कभी भी अच्छी खबर नहीं होती। मैं फाइनल से पहले उनसे नहीं मिलूंगा, लेकिन एक टेनिस प्रशंसक के तौर पर मैं उन्हें खेलते हुए देखना पसंद करूंगा। मौजूदा चैंपियन नोवाक जोकोविच के भी टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद, फ्रेंच ओपन और विंबलडन चैंपियन अल्कराज इस साल अपना पांचवां खिताब जीतने के लिए बेताब होंगे। अन्य मैचों में, ब्रिटेन के जैक ड्रेपर ने चेक गणराज्य के जिरी लेहेका को 7-5, 6-2 से हराया, डेनमार्क के 13वें वरीय होल्गर रूण ने इटली के माटेओ अर्नाल्डी को 6-4, 6-4 से हराया और ऑस्ट्रेलिया के नौवें वरीय एलेक्स डी मिनाउर ने मारियानो नवोन को 7-5, 6-1 से हराया। इनडोर टूर्नामेंट से बाहर होने वाले अन्य वरीय खिलाड़ी रूसी छठे वरीय एंड्री रूबलेव थे, जिन्हें अर्जेंटीना के फ्रांसिस्को सेरुंडोलो ने 7-6(6), 7-6(5) से हराया, और 14वें वरीय फ्रांसेस टियाफो को फ्रांसीसी जियोवानी एमपेट्शी पेरीकार्ड ने 6-7(5), 7-6(4), 6-3 से हराया। बाद के मैचों में, ग्रीस के 10वें वरीय स्टेफानोस त्सित्सिपास ने एलेजांद्रो टेबिलो पर 6-3, 6-4 से आसान जीत दर्ज की, इससे पहले ऑस्ट्रेलियाई जॉर्डन थॉम्पसन ने सातवें वरीय कैस्पर रुड को 7-6(3), 3-6, 6-4 से हराया।

न्यूज ब्रीफ

एनबीए 2024-2025: नगेट्स ने नेट्स को हराया, दर्ज की लगातार दूसरी जीत

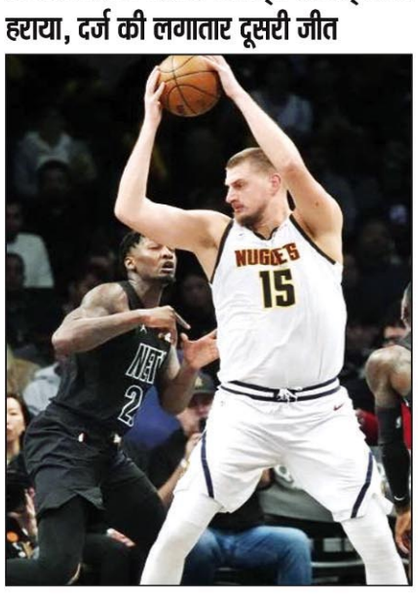

न्यूयॉर्क। डेनवर नगेट्स ने न्यूयॉर्क में ओवरटाइम में ब्रुकलिन नेट्स को 144-139 से हराकर लगातर दूसरी जीत दर्ज की। विजेता टीम की ओर से निकोला जोकिच ने 29 अंक, 18 रिबाउंड और 16 असिस्ट बनाए, जमाल मरे और आरोन गॉर्डन ने 24-24 अंक बनाए। इनके अलावा रसेल वेस्टब्रुक ने बेंच से 22 अंक बनाए, माइकल पोर्टर जूनियर ने 16 और क्रिश्चियन ब्राउन ने नगेट्स के लिए 12 अंक जोड़े, जिसने लगातार दूसरी रात ओटी में जीत हासिल की। नेट्स के सात खिलाड़ियों ने दोहरे अंकों में स्कोर किया, जिसमें डेनिस श्रोडर सबसे आगे रहे, जिन्होंने 28 अंक और 14 असिस्ट किए। कैम थॉमस ने 26 अंक बनाए। नेट्स ने ओवरटाइम में पहला स्कोर बनाया, इससे पहले नगेट्स ने लगातार आठ अंक हासिल करके 133-127 से बढ़त हासिल की। श्रोडर ने नेट्स के घाटे को 135-132 तक कम करने के लिए 3-पॉइंटर मारा, लेकिन ब्राउन ने डीप से जवाब दिया और मरे ने दो फ्री थ्रो को विभाजित करके नगेट्स की बढ़त को सात तक पहुंचा दिया। कैमरून जॉनसन ने 3-पॉइंटर लगाकर 26.5 सेकंड शेष रहते स्कोर 141-137 कर दिया, लेकिन नगेट्स ने इसे समाप्त कर मैच अपने कर लिया।

एफआईएस ने इतालवी एथलीट मटिल्डे लोरेंजी के निधन पर शोक व्यक्त किया

जिनेवा। अंतरराष्ट्रीय स्की एवं स्नोबोर्ड महासंघ (एफआईएस) ने 19 वर्षीय इतालवी एथलीट मटिल्डे लोरेंजी के निधन पर शोक व्यक्त किया है, जिनकी प्रशिक्षण के दौरान गंभीर रूप से घायल होने के बाद मृत्यु हो गई थी। एफआईएस ने मंगलवार को अपने बयान में कहा, हम मटिल्डे लोरेंजी के निधन से बहुत दुखी हैं। एफआईएस, एफआईएस के अध्यक्ष फ्लेवियो रोडा और कोच, एथलीट, टीम के साथी, संघीय परिषद और सभी एफआईएसआई कर्मचारियों सहित पूरे इतालवी शीतकालीन खेल समुदाय के साथ शोक में शामिल है। लोरेंजी सोमवार को इटली के टायरॉल में श्नालस्टल ग्लेशियर पर हार्ड पिस्ट पर गिर गई थी, उन्हें तुरंत एक हेलीकॉप्टर द्वारा अस्पताल ले जाया गया, लेकिन गंभीर चोटों के कारण वह बच नहीं पाई और एक दिन बाद उनकी मृत्यु हो गई। लोरेंजी इटली की उभरती हुई प्रतिभाओं में से एक थीं, वह फरवरी में फ्रांस में एफआईएस जूनियर वर्ल्ड स्की चैंपियनशिप में डाउनहिल में छठे और सुपर-जी में आठवें स्थान पर रहीं थी।

पेरिस मास्टर्स 2024 से हटे शीर्ष रैंकिंग वाले जननिक सिनर

पेरिस। शीर्ष वरीयता प्राप्त जननिक सिनर ने वायरस का हवाला देते हुए पेरिस मास्टर्स से अपना नाम वापस ले लिया है। इतालवी खिलाड़ी सिनर ने मंगलवार को आयोजकों द्वारा भेजे गए संदेश में कहा कि वह इस सप्ताह खेलने में सक्षम नहीं है। सिनर ने कहा, मैं यहाँ बहुत जल्दी तैयारी करने के लिए आया था, फिर मैं बीमार पड़ गया, मुझे इस समय एक वायरस है, जो अगले दो-तीन दिनों में ठीक हो जाएगा, इसलिए शारीरिक रूप से मैं प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार नहीं हूँ। सात बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच के बाद सिनर वर्ष के अंतिम मास्टर्स 1000 इवेंट से बाहर होने वाले दूसरे हाई-प्रोफाइल खिलाड़ी हैं। सिनर ने इस महीने की शुरुआत में शंघाई मास्टर्स के फाइनल में जोकोविच को सीधे सेटों में शिकस्त दी झी, जिससे इतालवी खिलाड़ी ने सीजन का अपना सातवाँ खिताब जीता।

रोहन बोपन्ना-मैथ्यू एबडेन ने पुरुष युगल एटीपी फाइनल्स 2024 के लिए किया क्वालीफाई

ट्यूरिन। भारतीय टेनिस स्टार रोहन बोपन्ना और उनके ऑस्ट्रेलियाई जोड़ीदार मैथ्यू एबडेन ने एटीपी फाइनल्स 2024 में पुरुष युगल स्पर्धा के लिए क्वालीफाई कर लिया है, जो 10 से 17 नवंबर तक इटली के ट्यूरिन में इनालपी एरिना में खेला जाएगा। एटीपी फाइनल्स, सीजन के अंत में आयोजित होने वाली पुरुषों की टेनिस चैंपियनशिप है। इसमें दो अलग-अलग टूर्नामेंट होते हैं - एक एकल और एक युगल। वर्ष के केवल शीर्ष आठ रैंक वाले एकल खिलाड़ी या युगल टीमें ही एटीपी फाइनल्स में खेलने के लिए अर्हता प्राप्त करती हैं - जिसे अक्सर चार ग्रैंड स्लैम के बाद एटीपी टूर पर सबसे बड़ा पुरुष टेनिस आयोजन माना जाता है।

वेस्ले कूलहोफ/निकोला मेक्टिक, केविन क्राविएट्ज़/टिम पुएट्ज़, हैरी हेलियोवारा/हेनरी पैटन, मार्सेलो अरेवलो/मेट पैविक, मार्सेल ग्रानोलर्स/होरासियो ज़ेबालोस, सिमोन बोलेली/एंड्रिया वावस्सोरी और मैक्स परसेल/जॉर्डन थॉम्पसन अन्य सात युगल जोड़ियां हैं जो ट्यूरिन एटीपी फाइनल्स 2024 के लिए अर्हता प्राप्त कर चुकी हैं। टूर्नामेंट के लिए योग्यता एटीपी फाइनल्स रैंकिंग पर आधारित है, जो संबंधित कैलेंडर वर्ष में एटीपी आयोजनों में प्रदर्शन को ध्यान में रखती है। पेरिस मास्टर्स में नाथनियल लेमन्स और जैक्सन विथ्रो के बाहर होने के बाद 2024 के लिए बोपन्ना और एबडेन की योग्यता की पुष्टि हुई। बोपन्ना और एबडेन ने 2024 का शानदार सीजन बिताया है, जिसकी शुरुआत साल के शुरुआती ग्रैंड स्लैम - ऑस्ट्रेलियन ओपन में जीत के साथ हुई थी। ऑस्ट्रेलिया में जीत के साथ बोपन्ना टेनिस इतिहास में सबसे उम्रदराज दुनिया

के नंबर 1 खिलाड़ी बन गए। इंडो-ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी ने इस साल मियामी ओपन भी जीता और एडिलेड में फाइनल में जगह बनाने के अलावा फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में भी पहुंची। 2011, 2012, 2015 और 2023 के बाद यह एटीपी फाइनल में बोपन्ना की पांचवीं उपस्थिति होगी। भारतीय टेनिस खिलाड़ी ने 2012 और 2015 में फाइनल में जगह बनाई, पहले हमवतन महेश भूपति के साथ और फिर रोमानिया के फ्लोरिन मर्जिया के साथ, लेकिन दोनों ही मौकों पर हार गए। बोपन्ना, जो इस वर्ष की शुरुआत में पेरिस 2024 ओलंपिक में पुरुष युगल स्पर्धा के पहले दौर से बाहर होने के बाद भारतीय राष्ट्रीय टीम से सेवानिवृत्त हो गए थे, उन्होंने पिछले वर्ष एबडेन के साथ सेमीफाइनल में भी जगह बनाई थी। 2011 में अपने पहले एटीपी फाइनल्स अभियान में बोपन्ना ने पाकिस्तान के ऐसाम उल हक कुरैशी के साथ जोड़ी बनाई थी, लेकिन प्रसिद्ध इंडो-पाक एक्सप्रेस ग्रुप चरण से आगे बढ़ने में असफल रही थी।

आईसीसी ने सुमति धर्मवर्धन पी.सी. को एसीयू का नया स्वतंत्र अध्यक्ष नियुक्त किया

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बुधवार को सुमति धर्मवर्धन पी.सी. को आईसीसी भ्रष्टाचार निरोधक इकाई (एसीयू) का नया स्वतंत्र अध्यक्ष नियुक्त किया है। आईसीसी की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, धर्मवर्धन, सर रोनी फ्लैनागन की जगह लेंगे, जो 14 साल बाद इस पद से सेवानिवृत्त हुए हैं। धर्मवर्धन श्रीलंका के अटॉर्नी जनरल विभाग में अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के रूप में कार्य करने सहित कई तरह के अनुभव लेकर आए हैं, जिसमें वे विभिन्न कानूनी मामलों में खेल मंत्रालय सहित श्रीलंका सरकार का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसके अलावा, नए एसीयू अध्यक्ष ने इंटरपोल और ड्रग्स और अपराध पर संयुक्त राष्ट्र कार्यालय के साथ काम किया है, खेल में भ्रष्टाचार की जांच की है, साथ ही खेल से संबंधित अपराधों की रोकथाम अधिनियम के तहत कई जांच और अभियोजन की देखरेख की है, एक ऐसा अधिनियम जिसे तैयार करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका थी। उन्होंने अन्य वैश्विक खेल संगठनों के साथ चर्चा और वार्ता में श्रीलंका सरकार का प्रतिनिधित्व भी किया है। आईसीसी की भ्रष्टाचार निरोधक इकाई के स्वतंत्र अध्यक्ष एसीयू की देखरेख और नेतृत्व के लिए जिम्मेदार हैं, जिसे कार्यकारी स्तर पर महाप्रबंधक - अखंडता द्वारा प्रबंधित किया जाता है। धर्मवर्धन 1 नवंबर 2024 से इस पद पर काम करना शुरू करेंगे।

2027 के अंत तक ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच बने रहेंगे एंड्रयू मैकडॉनल्ड

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियाई पुरुष टीम के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडॉनल्ड का अनुबंध 2027 के अंत तक बढ़ा दिया गया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने बुधवार को उक्त घोषणा की।

मैकडॉनल्ड के नेतृत्व में, जिन्होंने 2022 में यह पद संभाला था, ऑस्ट्रेलिया ने 2023 में विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप और एकदिवसीय विश्व कप जीता, और वर्तमान में टेस्ट में नंबर 1 और एकदिवसीय और टी20 क्रिकेट में नंबर 2 पर है।

मैकडॉनल्ड अब अगले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र के माध्यम से टीम का नेतृत्व करेंगे, और 2027 में एकदिवसीय विश्व कप खिताब का बचाव करने का मौका मिलेगा, साथ ही 2026 आईसीसी टी-20 विश्व कप और अगले साल की चैंपियंस ट्रॉफी में भी मौका मिलेगा।

अनुबंध के विस्तार पर बोलते हुए, सीए के सीईओ निक हॉकली ने कहा, एंड्रयू एक उत्कृष्ट पुरुष मुख्य कोच साबित हुए हैं, जिन्होंने असाधारण परिणाम देने के साथ-साथ एक मजबूत कोचिंग टीम, कार्यप्रणाली और टीम के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए एक उत्कृष्ट वातावरण बनाया है। हम उनके कार्यकाल को और दो साल के लिए बढ़ाकर खुश हैं।

अनुबंध विस्तार पर मैकडॉनल्ड ने कहा, मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि मेरे पास लीडर्स, खिलाड़ियों, कोचों और कर्मचारियों का एक असाधारण समूह है जो इस समूह की निरंतर भलाई, सफलता और विकास में पूरी तरह से निवेशित हैं। मेरे साथी कोचों और व्यापक कर्मचारियों की व्यावसायिकता, प्रतिबद्धता और अनुभव ने सुनिश्चित किया है कि यात्रा बेहद सफल रही है, लेकिन उतनी ही महत्वपूर्ण बात यह है कि इसने एकता, विश्वास और समावेशिता की संस्कृति का निर्माण किया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सभी टीमों के लिए कई चुनौतियाँ हैं और मुझे विशेष रूप से गर्व है कि कैसे समूह, खिलाड़ी और कर्मचारी, सभी प्रारूपों में एक साथ मिलकर उनका सामना कर रहे हैं।

हाइलो ओपन 2024 के दूसरे दौर में पहुंचीं भारतीय शटलर मालविका बंसोड़

सारब्रुकेन। भारतीय शटलर मालविका बंसोड़ ने मंगलवार को पहले दौर में बुल्गारिया की हिस्टोमिरा पोपोवस्का को हराकर चल रहे हाइलो ओपन 2024 के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया है। सारलैंडहेल इनडोर एरिना के बैडमिंटन कोर्ट में खेले बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 टूर्नामेंट में महिला एकल स्पर्धा के शुरुआती दौर में पोपोवस्का के खिलाफ, विश्व बैडमिंटन रैंकिंग में 34 वें स्थान पर काबिज मालविका बंसोड़ ने 21-6, 21-17 से आसान जीत दर्ज की।

पिछले साल की क्वार्टर फाइनलिस्ट मालविका बंसोड़, जो टूर्नामेंट में छठी वरीयता प्राप्त हैं, अगले राउंड में डेनमार्क की इरिना अमली एंडरसन से भिड़ेंगी। मालविका की हमवतन रक्षिता श्री संतोष रामराज ने भी चीनी ताइपे की यू चिएन हुई को 30 मिनट से भी कम समय में 21-13, 21-19 से हराकर महिला एकल के दूसरे दौर में प्रवेश किया, जहां उनका सामना डेनमार्क की आठवीं वरीयता प्राप्त जूली डावल जैकबसेन से होगा। इस बीच, केयूरा मोपाती ने क्वालीफायर में स्थानीय खिलाड़ी मिरांडा विल्सन को 21-15, 21-15 से हराकर महिला एकल के मुख्य ड्रॉ में प्रवेश किया।

भारत की प्रिया कोनजेंगबाम/श्रुति मिश्रा महिला युगल में छठी वरीयता प्राप्त नतास्जा पी एंथोनीसेन/माइकेन फ्रूएरगार्ड के खिलाफ खेलेंगी।

एशिया के वर्ष के सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी बने सोन ह्युंग-मिन, एली कारपेंटर ने महिला वर्ग में जीता पुरस्कार

नई दिल्ली। टोटेनहैम और दक्षिण कोरिया के फारवर्ड सोन ह्युंग-मिन को मंगलवार को सियोल में एशियाई फुटबॉल परिसंघ के वार्षिक पुरस्कार समारोह में चौथी बार एशिया का वर्ष का सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी चुना गया।

सोन, जो टोटेनहैम और दक्षिण कोरिया दोनों की कप्तानी करते हैं, ने 2015, 2017 और 2019 में पुरस्कार जीता और बायर्न म्यूनिख के हमवतन किम मिन-जे से ट्रॉफी ली। 32 वर्षीय खिलाड़ी प्रीमियर लीग में सबसे सफल एशियाई खिलाड़ी हैं, जिन्होंने नौ साल पहले टोटेनहैम में आने के बाद से 123 गोल किए हैं और 64 गोल में सहायता की है। उन्होंने 2021-22 सीज़न के लिए गोल्डन बूट भी जीता, ऐसा करने वाले वे एशिया के पहले खिलाड़ी भी बने।

हालांकि, सोन ने अभी तक दक्षिण कोरिया या स्पर्स की सीनियर टीम के साथ कोई बड़ा खिताब नहीं जीता है।

वह ताएगुक वारियर्स के साथ एएफसी एशियन कप 2015 के फाइनल में पहुंचे और टोटेनहैम के साथ यूईएफए चैंपियंस लीग (2018-19) और लीग कप (2020-21) के फाइनल में पहुंचे, लेकिन इन सभी में हार गए।

हालांकि, 2018 एशियाई खेलों में अंडर-23 दक्षिण कोरियाई टीम के साथ स्वर्ण पदक जीतना उनकी सफलता का मुख्य कारण रहा, जिसमें उन्होंने फाइनल में जापान पर 2-1 की जीत में दोनों गोल में सहायता की।

ऑस्ट्रेलिया की एली कारपेंटर, जो फ्रांसीसी क्लब ल्योन के लिए खेलती हैं, महिला अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार की पहली विजेता बनीं।

कारपेंटर ने तीन ओलंपिक खेलों और फीफा महिला विश्व कप 2023 में ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व किया है, जिसमें टीम ने पहली बार सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया था।

2020 में ल्योन में स्थानांतरित होने के बाद, फुल-बैक ने फ्रांसीसी पक्ष के साथ छह प्रमुख ट्रॉफियां जीती हैं, जिसमें दो शीर्ष डिवीजन खिताब और कई यूईएफए महिला चैंपियंस लीग ट्रॉफियां शामिल हैं।

गो ओइवा ने जापान को अंडर-23 एशियाई कप और ओलंपिक खेलों के क्वार्टर फाइनल में पहुंचाने के बाद कोच ऑफ द ईयर का खिताब जीता, जबकि दक्षिण कोरिया के अंडर-20 के मुख्य कोच पार्क यूं-जियोंग ने महिला वर्ग का खिताब जीता।

कागिसो रबाडा की आईसीसी टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर वापसी

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा ने मीरपुर में बांग्लादेश के खिलाफ पहले मैच में नौ विकेट लेकर आईसीसी टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में फिर से नंबर वन स्थान हासिल कर लिया है।

बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के पहले दिन सबसे तेज 300 टेस्ट विकेट लेने की उपलब्धि हासिल करने वाले 29 वर्षीय गेंदबाज ने रविचंद्रन अश्विन, जसप्रीत बुमराह और जोश हेजलवुड को पीछे छोड़ते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया है। रबाडा ने जनवरी 2018 में भारत के खिलाफ न्यूलैंड्स टेस्ट के बाद पहली बार रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया था और अगले 12 महीनों में अधिकांश समय शीर्ष स्थान पर रहे।

नवीनतम साप्ताहिक रैंकिंग अपडेट में, जिसमें रावलपिंडी में पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच तीसरे टेस्ट और पुणे में भारत और न्यूजीलैंड के बीच दूसरे टेस्ट में प्रदर्शन को भी शामिल किया

गया है, पाकिस्तान के बाएं हाथ के स्पिनर नोमान अली और न्यूजीलैंड के मिशेल सेंटनर ने भी बड़ी प्रगति की है। नोमान पहली बार शीर्ष 10 में शामिल हुए हैं, वे रावलपिंडी में नौ विकेट लेने के बाद आठ पायदान ऊपर नौवें स्थान पर पहुंच गए हैं, जिसमें पाकिस्तान ने नौ विकेट से जीत हासिल कर डब्ल्यूटीसी श्रृंखला 2-1 से अपने नाम की।

पुणे में 113 रनों की जीत में 157 रन देकर 13 विकेट लेने वाले सेंटनर, 30 पायदान ऊपर चढ़कर 44वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जो जनवरी 2017 में हासिल उनके करियर के सर्वश्रेष्ठ 39वें स्थान से पांच पायदान नीचे है।

अन्य गेंदबाजों में बांग्लादेश के तैजुल इस्लाम (तीन पायदान ऊपर चढ़कर 18वें स्थान पर), इंग्लैंड के गस एटकिंसन (दो पायदान ऊपर चढ़कर 22वें स्थान पर), पाकिस्तान के साजिद खान (12 पायदान ऊपर चढ़कर 38वें स्थान पर) और दक्षिण अफ्रीका के वियान मुल्डर (नौ पायदान ऊपर चढ़कर 50वें स्थान पर) रैंकिंग में आगे बढ़े हैं।

बल्लेबाजी रैंकिंग में भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल 30 और 77 रन की पारी के बाद तीसरे नंबर पर वापस आ गए हैं, जबकि पाकिस्तान के सऊद शकील और न्यूजीलैंड के रचिन रवींद्र अपने करियर में पहली बार शीर्ष 10 में पहुंचे हैं।

शकील 134 रन की पारी के बाद 20 पायदान की छलांग लगाकर सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं, जिससे उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला, जबकि रवींद्र पहली पारी में उपयोगी अर्धशतक के साथ आठ पायदान ऊपर 10वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

न्यूजीलैंड के डेवोन कॉनवे (आठ पायदान ऊपर 28वें स्थान पर), टॉम लैथम (छह पायदान ऊपर 34वें स्थान पर) और ग्लेन फिलिप्स (16 पायदान ऊपर 45वें स्थान पर), इंग्लैंड के जेमी स्मिथ (सात पायदान ऊपर 37वें स्थान पर), पाकिस्तान के कप्तान शान मसूद (पांच पायदान ऊपर 57वें स्थान पर) और बांग्लादेश के मेहदी हसन मिराज (नौ पायदान ऊपर 63वें स्थान पर) बल्लेबाजी रैंकिंग में आगे बढ़े हैं।

मेहदी ऑलराउंडरों की सूची में भी दो पायदान ऊपर तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि भारत के वाशिंगटन सुंदर गेंदबाजों में 53वें, बल्लेबाजों में 84वें और ऑलराउंडरों में 25वें स्थान पर फिर से रैंकिंग में शामिल हो गए हैं।

हाल के टेस्ट नतीजों के बाद, न्यूजीलैंड 50 प्रतिशत अंकों के साथ आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप तालिका में चौथे स्थान पर है और भारत के खिलाफ सीरीज में एक और मैच और इंग्लैंड के खिलाफ तीन घरेलू टेस्ट के साथ 64.29 तक जाने की संभावना है। भारत 62.82 प्रतिशत अंकों के साथ शीर्ष पर है, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की चुनौतीपूर्ण श्रृंखला है, जो इस समय दूसरे स्थान पर है जबकि श्रीलंका तीसरे स्थान पर है।

दिवाली कब मनाएं कल या 01 नवंबर

जानिए लक्ष्मी पूजन के लिए शुभ मुहूर्त

इस वर्ष दिवाली की तारीख को लेकर काफी असमंजस है। ऐसे में दीपोत्सव का पर्व दीपावली कब मनाई जाए 31 अक्तूबर या फिर 01 नवंबर? हिंदू धर्म में दीपावली सबसे प्रमुख त्योहारों में से एक माना गया है। हर कोई व्यक्ति दिवाली का बेसब्री से इंतजार करता हैं। देशभर में दिवाली का पर्व बड़े ही धूम-धाम के साथ मनाया जाता है। दिवाली पर घरों को विशेष रूप से रोशनी और दीयों से सजाया जाता हैऔर अमावस्या की रात को धन, सुख और समृद्धि के देवी माता लक्ष्मी की पूजन-अर्चना होती है। धार्मिक मान्यता है कि दिवाली की रात माता लक्ष्मी पृथ्वी लोक पर आती हैं और जिन घरों में अच्छी साफ-सफाई, सजावट और पूजा-पाठ होता है वहां पर आकर निवास करती हैं। इस वर्ष दिवाली की तिथि को लेकर काफी संशय चल रहा है कि दिवाली कब, कैसे और किस दिन के शुभ मुहूर्त में लक्ष्मी पूजन किया जाय। दिवाली एक पंचदिवसीय त्योहार होता है। धनतेरस से दिवाली का पर्व शुरू हो जाता है और भैया दूज पर समाप्त होता है। हिंदू पंचांग के अनुसार हर वर्ष दीपावली का त्योहार कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि को मनाई जाती है। लेकिन इस बार कार्तिक अमावस्या तिथि दो दिन पड़ने के कारण दिवाली के त्योहार को लेकर कुछ कंफ्यूजन की स्थिति बनी हुई है कि दिवाली 31 अक्तूबर को मनाई जाय या फिर 01 नवंबर को। दीपावली हिंदू धर्म का एक प्रमुख त्योहार है जिसे दीपोत्सव भी कहा जाता है। यह त्योहार अंधकार पर प्रकाश की विजय का पर्व है। दीपावली पर धन और समृद्धि के देवी महालक्ष्मी का विशेष पूजन करने का विधान होता है। शास्त्रों में दिवाली पर महालक्ष्मी का पूजन अमावस्या तिथि पर प्रदोष काल और स्थिर लग्न में सबसे सर्वोत्तम माना गया है। प्रदोष काल के अलावा महानिशीथ काल में लक्ष्मी पूजन का विशेष महत्व होता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार माता लक्ष्मी का प्राकट्य अमावस्या तिथि के संध्याकाल में हुआ था इस कारण से दिवाली का पर्व और लक्ष्मी पूजन प्रदोषकाल और रात्रिकाल निशीथ काल में होती है। वैदिक पंचांग के मुताबिक इस वर्ष कार्तिक माह की अमावस्या तिथि 31 तारीख को दोपहर 3 बजकर 52 मिनट से शुरू हो रही है और यह तिथि 01 नवंबर को शाम 6 बजकर 16 मिनट पर समाप्त हो जाएगी। माता लक्ष्मी अमावस्या तिथि में प्रदोष काल और निशिथ काल में भ्रमण करती हैं इसके कारण माता की पूजा प्रदोष काल और निशीथ काल में करने का विधान होता है। पंचांग के मुताबिक 31 अक्तूबर, गुरुवार के दिन पूरी रात्रि अमावस्या तिथि के साथ प्रदोष काल और निशीथ मूहूर्त काल भी है। ऐसे में शास्त्रों के अनुसार 31 अक्तूबर के दिन दीवाली का पर्व और लक्ष्मी पूजन करना सबसे अधिक फलदाई होगा, क्योंकि दिवाली का पर्व तभी मनाना उत्तम रहता है जब प्रदोष से लेकर निशिथा काल तक अमावस्या तिथि रहे। लेकिन कुछ ज्योतिषाचार्यों और पंडितों का तर्क है कि यदि दिवाली पर सूर्योदय के बाद तीन प्रहर तक कोई तिथि व्याप्त हो तो उदयकाल में तिथि होना माना जाता है और उसी काल में पूजा करना शास्त्र सम्मत है। ऐसे में 01 नवंबर को अमावस्या तीन प्रहर की है और प्रदोष व्यापिनी भी है। इस कारण से कुछ विद्वान दिवाली 01 नवंबर को मनाने की सलाह दे रहे हैं। आइए जानते हैं दिवाली पर कब से कब तक है अमावस्या तिथि, प्रदोष काल, निशिथ काल और उदया काल मुहूर्त के बारे में..

प्रदोषकाल मुहूर्त : दिवाली पर देवी लक्ष्मी का पूजन प्रदोष काल (सूर्यास्त के बाद के तीन मुहूर्त) और स्थिर लग्न में किया जाना चाहिए। अमूमन हर वर्ष दिवाली पर स्थिर लग्न जरूर मिलता है। दिवाली पर जब वृषभ, सिंह, वृश्चिक और कुंभ राशियां लग्न में उदित हों तब माता लक्ष्मी का पूजन किया जाना चाहिए। क्योंकि ये चारों राशि स्थिर स्वभाव की होती हैं। स्थिर लग्न के समय माता लक्ष्मी की पूजा करने से माता लक्ष्मी अंश रूप में घर में ठहरती हैं। प्रदोष काल का समय हर दिन सूर्यास्त होने से 2 घड़ी यानी 48 मिनट तक रहता है। दिल्ली के समय अनुसार 31 अक्तूबर को शाम 5 बजकर 36 मिनट पर सूर्यास्त होगा। 31 अक्तूबर को दोपहर 3 बजकर 52 मिनट से अमावस्या प्रारंभ हो चुकी होगी और प्रदोष काल अमावस्या तिथि पर रहेगी। ऐसे में 31 अक्तूबर को शाम 5 बजकर 36 मिनट के बाद दिवाली लक्ष्मी पूजन आरंभ कर दें। वहीं दूसरी तरफ 01 नवंबर को शाम 06 बजकर 16 मिनट तक अमावस्या तिथि व्याप्त रहेगी और सूर्यास्त 05 बजकर 36 मिनट होगा। इस तरह से 01 नवंबर को भी प्रदोष काल और अमावस्या तिथि व्याप्त रहेगी। यानी 01 नवंबर को शाम 05 बजकर 36 मिनट से लेकर अमावस्या तिथि के समापन 06 बजकर 16 मिनट तक लक्ष्मी पूजन के लिए करीब 40 मिनट का ही शुभ मुहूर्त मिलेगा। इसके बाद प्रतिपदा लग जाएगी।

निशिथ काल मुहूर्त : दिवाली पर लक्ष्मी पूजन के लिए सबसे अच्छा मुहूर्त जहां प्रदोष व्यापिनी अमावस्या तिथि और स्थिर लग्न को माना जाता है तो वहीं दिवाली के मध्य रात्रि के समय आने वाला मुहूर्त महानिशीथ काल पर मां काली की पूजा का विधान होता है। महानिशीथ काल में पूजा तांत्रिक,पंडित और साधकों के लिए सबसे सर्वोत्तम मानी जाती है।

उदया काल तिथि और मुहूर्त : हिंदू धर्म में ज्यादातर पर्व और त्योहार की तिथियों की गणना उदया तिथि के आधार पर की जाती है। उदया तिथि उसे कहते हैं जब सूर्योदय के समय जो तिथि व्याप्त होती है। यानी कोई तिथि सूर्योदय के समय के बाद 3 प्रहर तक रहती है तो उसे उदया तिथि कहते हैं। कार्तिक अमावस्या की उदया तिथि 01 नवंबर को सूर्योदय के बाद 3 प्रहर तक रहेगी। यानी 01 नवंबर को अमावस्या तिथि में प्रदोष काल भी रहेगा। यानी 01 नवंबर को लक्ष्मी पूजन करना कुछ विद्वान उचित मान रहे हैं। कुछ विद्वानों का मत है कि 01 नवंबर को दिवाली चतुर्दशी से युक्त अमावस्या से ज्यादा अच्छा प्रतिपदा से युक्त अमावस्या होती है। इसलिए 01 नवंबर को दीपावली मनाई जानी चाहिए। ज्योतिष और धर्म शास्त्रों के ज्यादातर विद्वानों का मनाना है कि दिवाली की पूजा और दीपदान हमेशा अमावस्या की रात्रि को ही किया जाता है। इसलिए दिवाली 31 अक्तूबर को मनाया जाना चाहिए न कि 01 नवंबर को। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भगवान राम का स्वागत कार्तिक कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि की रात्रि को दीपक जलाकर किया गया था। इसके अलावा मां लक्ष्मी अमावस्या की रात्रि को ही पृथ्वी पर भ्रमण करती हैं, इसलिए दिवाली 31 अक्तूबर को ही मनाना सही होगा। 01 नवंबर को प्रदोष काल सवा तीन मुहूर्त से आगे नहीं है और 01 नवंबर को न तो निशीथ काल का मुहूर्त मिल रहा है न ही पूरा प्रदोष काल। साथ ही 01 नवंबर को स्थिर लग्न भी नहीं है, इसलिए दिवाली 31 अक्तूबर को मनाना मुहूर्त और शास्त्र सम्मत है। 31 अक्तूबर को पूर्ण प्रदोष काल और पूर्ण अमावस्या की रात्रि मिल रही है। शास्त्रों में दीपावली पर लक्ष्मी पूजन प्रदोष व्यापिनी अमावस्या तिथि और स्थिर लग्न में की जाती है। जबकि 01 नवंबर को प्रदोष काल के शुरू होने के कुछ मिनटों बाद ही अमावस्या तिथि समाप्त हो रही है। इसलिए दिवाली 31 अक्तूबर को लक्ष्मी पूजन करना शास्त्रों के अनुसार श्रेष्ठ रहेगा।

दिवाली 2025 पर स्त्री 2 के बाद *थामा* फिल्म की घोषणा

हॉरर कॉमेडी जगत की शुरुआत फिल्म *स्त्री* से हुई थी। अब तक इस यूनिवर्स में *भेड़िया, मुंज्या* और *स्त्री 2* फिल्में रिलीज हो चुकी हैं। इन तीनों ही फिल्मों को दर्शकों का खूब प्यार मिला। इसी साल 15 अगस्त को रिलीज हुई फिल्म स्त्री 2 ने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई करते हुए 500 करोड़ से ज्यादा की कमाई की है। आज दिवाली के मौके पर हॉरर यूनिवर्स की अगली फिल्म स्त्री 2 का ऐलान हो गया है। इस फिल्म का नाम थामा है। इसकी आधिकारिक घोषणा आज कर दी गई है। फिल्म थामा की आधिकारिक घोषणा *यह एक प्रेम कहानी है लेकिन... ब्लडी* टैगलाइन पोस्ट करके की गई है। इसमें कोई शक नहीं कि हॉरर यूनिवर्स में इस फिल्म की प्रेम कहानी भारी पड़ेगी। इस फिल्म में चार प्रमुख कलाकार भूमिका निभाते नजर आएंगे। आयुष्मान खुराना, रश्मिका मंदाना फिल्म में ये दोनों मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। इसलिए नवाजुद्दीन सिद्दीकी और परेश रावल ये कलाकार भी खास भूमिका में दिखेंगे। फिल्म की घोषणा आज दिवाली के मौके पर की गई है। फिल्म थामा अगले साल यानी 2025 में रिलीज होगी। थामा दिवाली 2025 पर रिलीज होने वाली है। स्त्री, भेदिया, मुंज्या, स्त्री 2 के बाद थामा फिल्म इस हॉरर यूनिवर्स का अगला भाग बनने जा रही है। खास बात यह है कि इस फिल्म का निर्देशक आदित्य सरपोतदार करने जा रहे हैं। इसी यूनिवर्स में आदित्य ने फिल्म मुंज्या का निर्देशन किया था।

दीपावली मनाने भारी संख्या में ऋषिकेश पहुंचे सैलानी

दीपावली मनाने के लिए देशभर से सैलानी पर्यटन नगरी ऋषिकेश में पहुंचने शुरू हो गए हैं। पिछले दो दिन से ऋषिकेश व मुनिकीरेती में बाहरी राज्यों के वाहनों का दबाव बढ़ने लगा है। वहीं, मुनिकीरेती, तपोवन, लक्ष्मण झूला में होटल की बुकिंग फुल चल रही है। कैंपिंग की भी खासी मांग देखने को मिल रही है। दीपावली को लेकर बाजारों में रौनक है। खरीदारी को भीड़ उमड़ रही है। वहीं, ऋषिकेश में दीपावली पर पर्यटन कारोबार भी खूब फलता-फूलता नजर आ रहा है। पिछले ऋषिकेश व मुनिकीरेती, तपोवन, लक्ष्मण झूला क्षेत्र के होटल बुकिंग की मांग तेजी से बढ़ रही है। क्षेत्र के प्रमुख होटल फुल हो चुके हैं। शेष होटल भी करीब 80 से 90 प्रतिशत तक बुक चल रहे हैं। सैलानी बढ़ने से कई क्षेत्रों में होटल में कमरे नहीं मिल पा रहे हैं। वहीं, तपोवन, नीर गढ़, शिवपुरी व गरुड़ चट्टी में कैंपिंग की खासी मांग आ रही है। कई लोग कैंपों में प्रकृति के बीच रहना पसंद कर रहे हैं। इसे देखते हुए दीपावली के अवसर पर होटल व कैंप व्यवसायियों ने सैलानियों के लिए विशेष पैकेज व प्रबंध किए हैं। दीपावली सीजन पर पर्यटन कारोबार में रौनक आई है। सैलानी परिवार के साथ प्रकृति के बीच दीपावली मनाना पसंद कर रहे हैं। ऋषिकेश, मुनिकीरेती व लक्ष्मण झूला सैलानियों को सबसे ज्यादा पसंद आते हैं। इसलिए इन क्षेत्रों में होटल व कैंप की सबसे ज्यादा मांग है। सुदेश भट्ट, होटल एवं कैंप व्यवसायी एवं क्षेपं सदस्य (बूंगा यमकेश्वर) होटल व कैंपों में दीपावली के जश्न की खास तैयारी हो रही है। होटल व कैंपों को दीपावली पर दीपों व फैंसी लाइटों से जगमग करने के खास इंतजाम किए जा रहे हैं। वहीं, संगीत, डांस सहित पारंपरिक प्रस्तुतियों के माध्यम से भी सैलानियों को उत्तराखंड की संस्कृति से रूबरू कराया जाएगा। सैलानियों को कई होटल व कैंपों में विशेष पहाड़ी व्यंजन भी परोसे जाएंगे। दीपावली सीजन बाजारों में खरीदारी के लिए उमड़ रही भीड़ के कारण यातायात प्रबंधन लगातार चुनौती बना हुआ है और अब सैलानियों के पहुंचने से मुख्य मार्गों में भयंकर जाम लगने लगा है। ऋषिकेश-हरिद्वार मार्ग, चंद्रभागा-मधुबन आश्रम, रामझूला, तपोवन, लक्ष्मण झूला आदि क्षेत्रों में भीषण जाम लग रहा है। मुख्य बाजार क्षेत्रों में रात नौ से दस बजे तक जाम की स्थिति नजर आई। रामझूला से ऋषिकेश नगर निगम ऋषिकेश तक जाम की बेहद बुरी स्थिति नजर आ रही है। स्थानीय लोग जाम से बचने के लिए आंतरिक मार्गों का सहारा ले रहे हैं, कई बार संकरे मार्गों पर अधिक वाहन प्रवेश करने से यहां भी जाम की स्थिति बनी। इससे स्थानीय लोगों को खासी फजीहत का सामना करना पड़ा। थाना प्रभारी निरीक्षक रितेश साह ने कहा कि मुनिकीरेती क्षेत्र में यातायात प्रबंधन में पुलिस कर्मियों को विशेष रूप से तैनात किया गया है। अधिकारी भी नियमित रूप से गश्त कर स्थिति का निरंतर निरीक्षण कर रहे हैं।

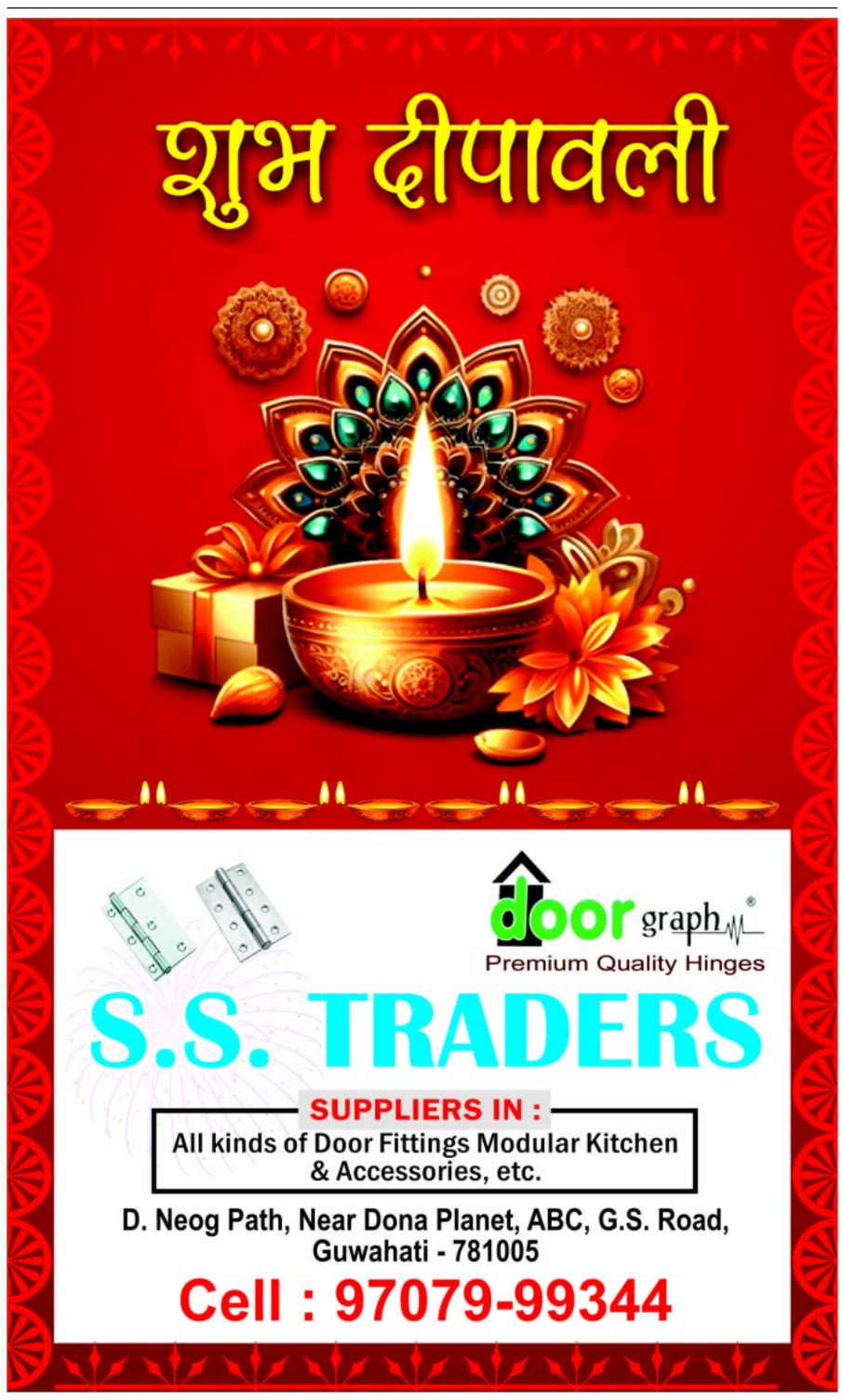

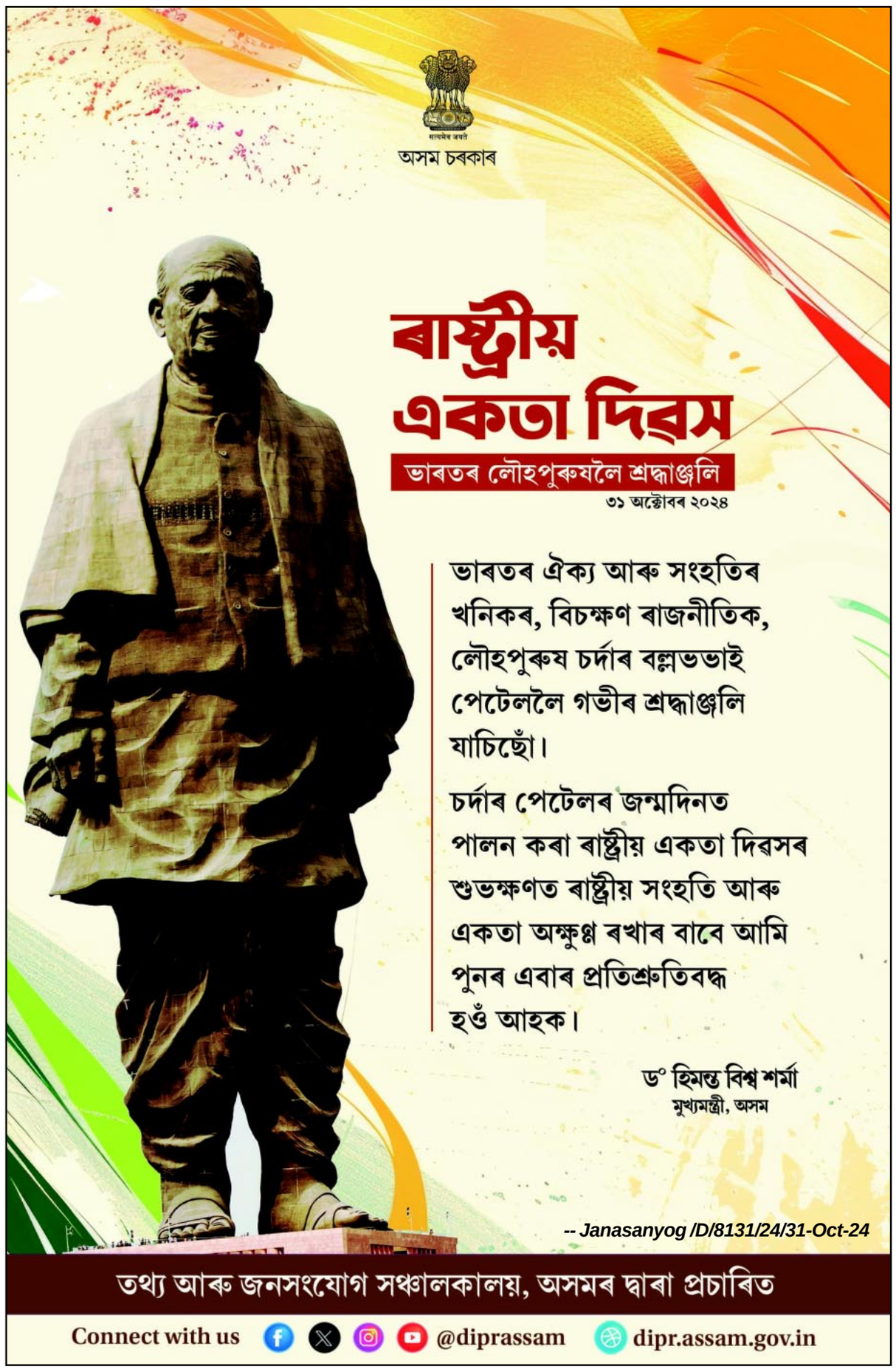

মুদ্রক एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**